हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 12 जुलाई 2026

[तरकश] संजय के दीक्षित

एसपी ट्रांसफर कंप्लीट नहीं!

सरकार ने एक पुलिस रेंज के आईजी के साथ 12 जिलों के पुलिस अधीक्षकों को बदल दिया। मगर अभी भी ट्रांसफर कंप्लीट नहीं हुआ है। बस्तर, बिलासपुर, कोरबा जैसे जिलों के एसपी को इस लिस्ट में शामिल नहीं किया गया। जबकि, इन तीनों कप्तानों को ढाई साल से ज्यादा हो गया है। बताते हैं, बस्तर के एसपी शलभ सिनहा को एक बड़े जिले में पोस्ट करना था, मगर वहां के आईजी बद्री मीणा अभी-अभी ज्वाईन किए हैं, इसलिए आईजी के साथ एसपी बदलने का सरकार ने रिस्क नहीं लिया। इस चक्कर में बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग का मामला लटक गया। हालांकि, दुर्ग एसपी विजय अग्रवाल को अभी साल भर ही हआ है मगर रजनेश सिंह को दुर्ग भेजना है, इसलिए विजय अग्रवाल बिलासपुर या कोरबा जाएंगे। चर्चा ये भी है कि कोरबा एसपी बस्तर जाएंगे और वहां से शलभ बिलासपुर या कोरबा आएं। कुल मिलाकर अगस्त तक एसपी की एक लिस्ट और आएगी, जिसमें कम-से-कम इन तीन जिलों के एसपी बदलेंगे ही।

महिला कप्तानः एक इन, एक आउट

छत्तीसगढ़ के 33 में एकमात्र महिला पुलिस अधीक्षक रहीं भावना गुप्ता तीन महीने की लीव से लौटकर सोमवार को बलौदा बाजार में ज्वाईन करने वाली थीं कि इससे दो दिन पहले उन्हें हटा दिया गया। हालांकि, लोगों को यह नहीं समझ में आ रहा कि तीन महीने अवकाश में रहने के दौरान एडिशनल एसपी से काम चलाया गया और भावना के छुट्टी से लौटते ही आखिर क्या हुआ कि उन्हें हटा दिया गया...वो भी ज्वाईन करने से जस्ट पहले। खैर, उनकी जगह एक दूसरी भावना को सरकार ने एसपी बनाया है। भावना पाण्डेय धमतरी की एसपी होंगी। इसके लिए सूरज परिहार को साल भर में ही खो कर दिया गया। यद्यपि, भावना को पोलिसिंग की अच्छी समझ है। सीएसपी, एएसपी रहने के दौरान उनका कामकाज ठीक रहा था। मगर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करने उन्होंने लंबे समय से खुद को भिलाई में समेट लिया था...मगर अब वे फ्री होकर फिर से फील्ड में आ गई हैं। उनके हसबैंड विजय पाण्डेय जांजगीर में एसपी हैं। छत्तीसगढ़ में ये पहली बार होगा, जब आईपीएस दंपती एक साथ एसपी होंगी।

पुलिस कमिश्नरेट को झटका

एसपी की लिस्ट का एक महत्वपूर्ण प्वाइंट यह है कि इसमें डायरेक्ट आईपीएस को बड़े जिले के लिए तैयार करने का खास प्रयास नहीं दिखा। जाहिर है, कोरबा और बस्तर को छोड़ आज भी बड़े जिले प्रमोटी आईपीएस ही संभाल रहे हैं। ठीक है...सूबे की पूरी पुलिस डिरेल्ड हो गई है तो सिर्फ उसका रोना रोने से काम नहीं चलेगा। उसे पटरी पर लाने का दायित्व गृह विभाग और पीएचक्यू का है। आखिर विजय अग्रवाल, रजनेश सिंह और शशिमोहन सिंह का विकल्प ढूंढना पड़ेगा न। खैर, ट्रांसफर में सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट रायपुर पुलिस कमिश्नर को बड़ा झटका लगता दिखाई पड़ रहा है। रायपुर के तीन डीसीपी को हटाकर सरकार ने एसपी बना दिया मगर उनकी जगह पोस्ट किया सिर्फ एक डीसीपी। याने दो खाली। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार अब दो में सीनियर एडिशनल एसपी को डीसीपी पोस्ट कर दे। यदि ऐसा हुआ तो पुलिस कमिश्नर सिस्टम डिमरलाइज होगा। क्योंकि, देश के किसी भी कमिश्नरेट में एसपी लेवल के आईपीएस अफसर ही डीसीपी होते हैं। एक तरफ गृह मंत्री विजय शर्मा बिलासपुर में पुलिस कमिश्नरेट की बात कर रहे, दूसरी ओर जो पहले से कमिश्नरेट है, वही डगमगाता दिख रहा...।

पोस्टिंग का संयोग

हालांकि, अफसरशाही को कभी जाति या वर्ग के चश्मे से नहीं देखना चाहिए, उनके काम की बात होनी चाहिए मगर पोस्टिंग में कोई रोचक संयोग बनेंगे, तो चर्चाएं तो होगी ही। धमतरी जिले में भावना पाण्डेय एसपी अपाइंट हुई हैं। वहां पहले से शैलेंद्र पाण्डेय एडिशनल एसपी और अभिषेक चतुर्वेदी सीएसपी हैं। कलेक्टर अविनाश मिश्रा वहां पहले से हैं। याने संयोग से सभी ब्राम्हण। उधर, राजनांदगांव में अजय यादव को आईजी पोस्ट किया गया है। वहां पहले से मधुसुदन यादव महापौर हैं और गजेंद्र यादव प्रभारी मंत्री। फिर कलेक्टर भी जीतेंद्र यादव। अब अजय यादव न जाने किसके कोटे से राजनांदगांव पहुंचे हैं, मगर ये सही है कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ0 रमन सिंह के विस क्षेत्र की टीम अब काफी मजबूत हो गई है। आईजी, कलेक्टर, एसपी, जिपं सीईओ सभी को चुनकर लाया गया है।

इमोशनल मंत्री, विदा कलेक्टर

9 जुलाई का कैबिनेट कुछ अलग रहा। एजेंडा पर चर्चा उपरांत मुख्य सचिव समेत तमाम अफसर बाहर निकल गए। ऐसा कई बार होता है, मंत्रिपरिषद में कोई गंभीर मुद्दा पर चर्चा करनी होती है तो अधिकारियों को बाहर भेज दिया जाता है। 9 जुलाई को भी ऐसा ही हुआ। इशारा भांपते ही अफसर हॉल से निकल गए। इसके बाद कैबिनेट कक्ष में करीब घंटे भर मंत्री बैठे रहे। फिर जब बाहर निकले तो एक मंत्री इमोशनल दिखे...बाकी मंत्रियों की भाव-भंगिमा भी थोड़ी तनी हुई थी। मंत्रियों का चेहरा देख लगा कि अंदरखाने में कुछ तो हुआ है और अगले दिन जीपीएम के कलेक्टर की छुट्टी हो गई। बताते हैं, एक मंत्री ने कलेक्टर संतोष देवांगन को फोन किया और उस दौरान ऐसा कुछ हुआ कि वे आहत हो गए। और वह बात कैबिनेट में बड़ी गंभीरता के साथ पहुंच गई। हालांकि, मंत्रीजी बड़ा साफ्ट स्पोकन है, आमतौर से अफसरों से बातचीत में वे शालीनता बरतते हैं। मगर ये भी सही है कि संतोष देवांगन का अतीत चाहे जैसा भी रहा हो, जीपीएम के आप किसी को भी फोन लगा लें, आपकी धारणा बदल जाएगी। दरअसल, पिछली सरकार ने जीपीएम को जिला बनाया मगर उसके बाद कभी भी कोई ढंग का कलेक्टर वहां भेजा नहीं गया। 2025 के सुशासन तिहार में खुद मुख्यमंत्री गुस्से में बोल गए थे कि तीन थाना का जिला नहीं संभलता आप लोगों से। ऐसे में, संतोष देवांगन ने वहां अच्छी झांकी बना ली थी। खासतौर से प्रायवेट अस्पताल को सील करने के बाद लोगों को लगा कि कलेक्टर ऐसा ही होना चाहिए। जाहिर है, संतोष देवांगन का विकेट गिरने से संगठन या सिस्टम के जिस भी नेता का इगो तो शांत हो गया मगर उससे सत्ताधारी पार्टी को कोई फायदा नहीं हुआ है, बल्कि नुकसान ही बोल सकते हैं। क्योंकि, जीपीएम के लोग इस एपिसोड से खुश नहीं है।

सोशल इंजीनियरिंग को धक्का!

जीपीएम के कलेक्टर संतोष देवांगन के सस्ते में विकेट डाउन होने से अफसरशाही के सोशल इंजीनियरिंग को बड़ा झटका लगा है। संतोष देवांगन माटी पुत्र तो हैं ही, जांजगीर से जुड़े हैं। वे बुनकर समुदाय से आते हैं। बीजेपी के दिग्गजों के लाख प्रयास के बाद भी पिछले विधानसभा चुनाव में जांजगीर में बीजेपी की झोली खाली रह गई थी। सभी-की-सभी छह सीटें कांग्रेस ले उडी। इस लिहाज से संतोष देवांगन को कलेक्टर बनाया जाना महत्वपूर्ण था। मगर दो महीने में ही उन्हें हटाना पड़ गया। संतोष को अब सरगुजिहा मंत्री लोगों से बातचीत करने में जरा सतर्कता बरतनी चाहिए। बिलासपुर एसडीएम थे तो रामविचार नेताम के साथ उनका लफड़ा हो गया था और अब सरगुजा के दूसरे मंत्री को नाराज कर अपना विकेट गंवा बैठे।

पीएचक्यू का धर्मसंकट

एएसपी और डीएसपी के ट्रांसफर को लेकर पीएचक्यू की स्थिति धर्मसंकट जैसी हो गई है। दरअसल, सुशासन तिहार के बाद से राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों की लिस्ट निकालने कवायद चल रही है। पीएचक्यू को प्रस्ताव बनाने जो नाम मिले थे, उसे नोटशीट की शक्ल में उसने आगे बढाया मगर गृह विभाग ने उसे अनुमोदन करने की बजाए फिर से पीएचक्यू को लौटा दिया। बताते हैं, होम ने लिस्ट में खुद से काटा-पिटी की बजाए पीएचक्यू के नामे में पर्ची फाड़ते हुए कहा कि हमारे इन नामों को लिस्ट में जोड़ा जाए। अब पीएचक्यू के अधिकारियों का बढ़ गया टेंशन। अफसरों के एक तरफ कुंआ था तो दूसरी तरफ खाई। गृह विभाग से मिले नाम जोड़ते तो उनकी शामत आ जाती। ऐसे में, पीएचक्यू ने वही किया, जो कोई भी दिमागदार आदमी करता। मगर इस चक्कर में लिस्ट अटक गई है।

बीजेपी सरकार में कांग्रेस की पॉलिसी?

आज से डेढ़-एक दशक पहले एक फॉरेस्ट मिनिस्टर ने सबसे पहले फॉरेस्ट अफसरों से पेटी लेकर पोस्टिंग का काम शुरू किया था। मगर अब आलम यह हो गया है कि इस पेटी वायरस से कोई विभाग अछूता नहीं रह गया है। बल्कि अब तो बोली लग रही है। मंत्रियों के यहां से फोन जा रहे, फलां जगह खाली है, आप कितना दे सकते हो। बिचौलिये भी बीच में गुगली फेंक दे रहे, उसकी अपनी अलग कहानी है। इस बोली और नीलामी के खेल में ट्रांसफर महीनों खींच जा रहे हैं। मसलन, एक डीएसपी ने मैदानी इलाके के लिए जुगाड़ जमाया था। उसका नाम तय भी हो गया था। मगर किसी बिचौलिये ने खेल कर दिया। फोन कर बताया कि आपका सरगुजा किया जा रहा। डीएसपी भागते-भागते 25 पेटी लेकर पहुंचे तो फिर जाकर उन्हें गारंटी मिली। यही हाल हेल्थ में सीएमओ, सिविल सर्जन का है। पोस्टिंग के लिए 30 से 35 पेटी चाहिए, फिर समय-समय पर रिचार्ज का कंडिशन भी। स्कूल शिक्षा विभाग में जिला शिक्षा अधिकारी के लिए 10 से 25 पेटी चल रहा। छोटे जिला है तो कम-से-कम 10 पेटी चाहिए ही। पिछले दिनों सूरजपुर में डीईओ का पद खाली हुआ तो वहां सरगुजा के नेताओं में प्रतिस्पर्धा छिड़ गई कि कौन बाजी मारता है...विधायक, मंत्री से लेकर सांसद और पार्टी पदाधिकारी तक कूद पड़े। क्योंकि, सवाल 20 पेटी का था। बाकी विभागों में भी कमोवेश यही स्थिति है...सभी ने ट्रांसफर का काउंटर खोल रखा है। ऐसा नहीं कि पूरा खेल मंत्री स्तर पर ही हो रहा। इसमें पार्टी का भी पूरा योगदान है। दरअसल, पेटी के जरिये पोस्टिंग का क्रेडिट पिछली सरकार के मंत्रियों को जाता है। इस सरकार के मंत्रियों ने दिल दिखाते हुए उस ट्रांसफर पॉलिसी को एडॉप्ट कर लिया। मगर बीजेपी के रणनीतिकारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उसके बाद कांग्रेस की विदाई भी हो गई थी।

च्वाइस पोस्टिंग?

तरकश के पिछले स्तंभ में प्रकाशित खबर के बाद राज्य सरकार ने 33 में से एक तिहाई जिलों के जिला पंचायत सीईओ को बदल दिया। तरकश में खासतौर से दंतेवाड़ा के सीईओ जयंत नाहटा के लंबे कार्यकाल का जिक्र किया गया था, उन्हें वहां से हटा दिया गया है। उनके अलावे और लंबे समय से जमे नौ जिलों के सीईओ और बदले गए हैं। कुछ सीईओ को कलेक्टरों के च्वाइस से पोस्टिंग मिली है। कोरिया कलेक्टर का ट्रांसफर बलरामपुर हुआ तो उनके बाद कोरिया के जिपं सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी भी बलरामपुर निकल लिए। खैर, बलरामपुर तो अपवाद है, आमतौर पर बड़े जिले के कलेक्टर चाहते हैं कि जिला पंचायत सीईओ या निगम कमिश्नर में से कम-से-कम एक डायरेक्ट आईएएस रहे, ताकि उनका वर्कलोड थोड़ा कम रहे। मसलन, अगर निगम कमिश्नर प्रमोटी या राज्य प्रशासनिक सेवा के हैं तो कोशिश रहती है, जिला पंचायत सीईओ कम-से-कम डायरेक्ट वाले रहें, और पंचायत में प्रमोटी अफसर हैं, तो निगम में डायरेक्ट अफसर रहें। इस लिस्ट में इसकी झलक दिखी है।

कलेक्टरों की लिस्ट

बीते 6 मई को सात कलेक्टरों का ट्रांसफर हुआ था, उसके बाद ब्यूरोक्रेसी की गलियारों में फिर एक छोटी लिस्ट आने की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, ये लिस्ट ज्यादा बड़ी नहीं होगी, अधिक-से-अधिक तीन-से-चार जिले प्रभावित हो सकते हैं। अगर कोई बड़ा विघ्न-बाधा नहीं आया तो विधानसभा के मानसून सत्र के बाद कलेक्टरों का आदेश जारी हो सकता है।

सचिवों का ट्रांसफर

बात सरकार के ढाई साल होने पर अफसरशाही की कसावट की, तो कलेक्टरों की लिस्ट के साथ सचिवों की भी एक छोटी लिस्ट निकल सकती है। हालांकि, 6 मई को 42 आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर हुए थे, उनमें कई विभागों के सिकेट्री बदल गए थे। मंत्रालय में लंबे कार्यकाल वाले सिकेट्री में इस समय सिर्फ एक आईएएस बचे हैं। एक ही विभाग में उन्हें ढाई साल हो गया है। अलबत्ता, सचिवों के टेन्योर का ढाई साल कोई लिमिट नहीं है। मनोज पिंगुआ गृह विभाग में करीब तीन साल रहे। मगर एक ही विभाग में लंबा समय होने पर अफसर उकता जाते हैं...उनके पास नया करने के लिए कुछ बचता नहीं। इसलिए आमतौर पर दो-एक साल में सचिवों के विभाग बदल दिए जाते हैं।

राप्रसे अफसरों का इस्तेमाल

अभी हाल ही में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को उच्च शिक्षा और हेल्थ में भेजा गया। इसके बाद वन और परिवहन मंत्री केदार कश्यप के हायर एजुकेशन में पोस्ट किया गया है। हालांकि, विभाग वाले इससे प्रसन्न नहीं होंगे मगर इसमें कोई किंतु-परन्तु नहीं कि प्रशासनिक कार्यों में प्रशासनिक अफसरों का इस्तेमाल करना चाहिए। वैसे भी सूबे में राप्रसे अधिकारियों की अच्छी खासी फौज खड़ी हो गई है। करीब 500 से अधिक राप्रसे अफसर हो गए हैं। कैबिनेट ने स्कूल शिक्षा विभाग संचालनालय में भी दो-तीन पद प्रशासनिक अधिकारियों के लिए क्रियेट किया है। मगर अभी तक पोस्टिंग नहीं हुई है। अलबत्ता, नजर उन पर भी रखनी होगी, क्योंकि आरोप है कि राजस्व अधिकारी जिन विभागों में जाते हैं, वहां करप्शन का लेवल और हाई हो जाता है।

अब डीएफओ का नंबर

आईएएस, राप्रसे और आईपीएस के बाद अब डीएफओ की लिस्ट पर लोगों की नजरें टिक गई है। डीएफओ में पिछले करीब डेढ़ साल से कोई बड़ी लिस्ट नहीं निकली है। अब पीसीसीएफ भी चेंज हो गए हैं। अरुण पाण्डेय भी चाहेंगे कि रिजल्ट देने के लिए कुछ अपने हिसाब से डीएफओ पोस्ट करवाएं। हालांकि, फाईनल क्लियरेंस वन मंत्री और मुख्यमंत्री को देना है। बहरहाल, ऐसा समझा जाता है कि विधानसभा के मानसून सत्र के बाद करीब दर्जन भर डिविजन के डीएफओ चेंज हो जाएं।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ में जिस तरह नए कलेक्टरों को मौका देकर बड़े जिलों के लिए तैयार किया जा रहा है, वैसा एसपी में क्यों नहीं किया जा रहा?

2. आईपीएस पवनदेव लगातार साढ़े छह साल से पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन में पोस्टेड हैं। क्या सिस्टम उन्हें पोस्टिंग कर भूल गया है या कोई और बात है?

सराफा कारोबार फिर 80 फीसदी चौपट, निवेशक भी हुए दूर, आम ग्राहकों का भी टोटा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

सोने और चांदी के लगातार घटते दाम के कारण प्रदेश का सराफा कारोबार एक बार फिर 80 फीसदी तक चौपट हो गया है। कुछ दिनों तक शादियों के सीजन के कारण थोड़ी रौनक लौटी थी, लेकिन अब वापस कारोबार मंदा हो गया है। जहां एक तरफ निवेशकों ने हाथ खड़े कर दिए हैं, वहीं सामान्य ग्राहकों का भी टोटा हो गया है। आम ग्राहक दाम और कम होने का इंतजार कर रहे हैं।

■ शादियों के कारण कुछ समय रही रौनक, फिर सन्नाटा

प्रदेश में रोज सोने और चांदी का करीब 50 करोड़ का कारोबार होता है, इसमें से करीब 30 करोड़ का कारोबार निवेश से ही होता है। लेकिन अब निवेशकों ने हाथ खड़े कर दिए हैं तो रोज करीब 25 करोड़ का कारोबार प्रभावित हो गया है। 80 फीसदी निवेश भी बंद हो गया है। यही नहीं आम खरीदारी भी बहुत कम होने के कारण सराफा कारोबारियों की हालत खराब हो गई है। आम खरीदारी भी 80 फीसदी कम हो गई है। कुल मिलाकर रोज का कारोबार अब दस करोड़ से भी कम का रह गया है। चांदी के आयात पर प्रतिबंध के कारण इसके दाम बढ़ने की संभावना थी, लेकिन अब दाम कम हो गए हैं। लेकिन इसके बाद भी खरीदारी नहीं हो रही है।

कारोबार चौपट

सराफा कारोबारियों के मुताबिक सराफा का कारोबार तो अब पूरी तरह से चौपट ही हो गया है। आम खरीदारी सोने और चांदी के रोज बदलते दाम के कारण पहले ही कम हो गई है। अब तो चांदी का आयात बंद होने के बाद चांदी का आना भी बंद हो गया तो इसका कारोबार नहीं के बराबर हो रहा है। इसी के साथ सोने के जेवरों की खरीदारी भी नहीं के बराबर हो गई है। आम लोग जो पहले सोने और चांदी में निवेश करने के लिए सोना और चांदी खरीदते थे, उनकी खरीदारी पूरी तरह से बंद है। अब कोई भी इसमें निवेश नहीं करना चाहता है। बड़े निवेशकों ने भी निवेश लगभग बंद कर दिया है। निवेशकों में रोज कम होते दाम के कारण दहशत है। जिन कारोबारियों के यहां रोज एक करोड़ का कारोबार होता है, उनका रोज का कारोबार अब 20 लाख का भी नहीं हो रहा है। छोटे कारोबारियों को कई बार बोहनी के भी लाले पड़ रहे हैं।

चांदी 60 हजार सस्ती

चांदी पर बीते माह 16 मई से प्रतिबंध लगा है। इसके एक दिन पहले चांदी के दाम 287600 रुपए थे। चांदी कारोबारी लक्ष्मी नारायण लाहोटी के मुताबिक ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि चांदी का आयात बंद होने से निवेशकों की चांदी बाहर आएगी तो दाम बढ़ेंगे। लेकिन दाम बढ़ने के स्थान पर कम हो गए हैं। इस समय चांदी के दाम 227400 रुपए हैं। यानी चांदी के दाम करीब 60 हजार रुपए कम हो गए हैं। इसी के साथ सोने के दाम भी कम ही हुए हैं। सोना एक माह पहले 166600 रुपए था, यह अब 147400 रुपए हो गया है।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

रेट तय नहीं और न ही कार्रवाई का प्रावधान, इसलिए कारोबारी मनमानी कीमत पर बेच रहे रेत-गिट्टी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भवन निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले सीमेंट, सरिया, ईंट से लेकर उसमें लगने वाले दरवाजा, हैंडल, कब्जा, टाइल्स सहित अन्य कई प्रकार की सामग्री के बाजार मूल्य तय हैं, लेकिन रेत एवं गिट्टी के मूल्य तय नहीं हैं। देशभर में रेत एवं गिट्टी का मूल्य इसका कारोबार करने वाले ही तय करते आ रहे हैं। यही वजह है कि हर बार बारिश के सीजन में इन दोनों सामग्री का कारोबार करने वाले मनमानी करते हुए न केवल इसकी कीमत दोगुना या उससे अधिक तय करते हैं, बल्कि खुलेआम इसकी बिक्री कर लोगों को लूटते आ रहे हैं। हैरानी वाली बात यह है कि इस खुलेआम लूट पर अंकुश लगाने के लिए शासन, प्रशासन तथा खनिज विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती। विभाग के अधिकारी यह तक कहने से संकोच नहीं करते कि बारिश के सीजन में खदानों में उत्खनन बंद हो जाता है, जिसके कारण रेत की कीमत बढ़ना स्वाभाविक है।

रेत की कीमत की बात करें, तो ठेकेदार को खदान से रेत उत्खनन कर लोडिंग कराने तथा उसकी रायल्टी मिलाकर लगभग प्रति हाईवा सात हजार रुपए तक खर्च आता है। इसके अलावा एक-दो हजार ट्रांसपोर्टिंग भाड़ा लगता है। इस तरह प्रति हाईवा रेत गंतव्य स्थान तक पहुंचाने में लगभग 9 हजार रुपए लगता है। इसके बाद बाजार में थोक एवं चिल्हर कारोबारियों के माध्यम से यही रेत प्रति हाईवा 14 से 15 हजार रुपए तक सामान्य दिनों में बेची जाती है, लेकिन बारिश के दिनों में 24 हजार रुपए प्रति हाईवा तक बिक रही है। इस तरह रेत के कारोबारियों ने मनमाने तरीके से रेत की कीमत बढ़ा दी है। रायपुर जिले की खदानों से सिर्फ मीडियम रेत ही निकलती है, वहीं बारीक रेत का गरियाबंद एवं धमतरी जिले में उत्खनन होता है। बारीक रेत भी सामान्य दिनों में 16 से 18 हजार रुपए प्रति हाईवा में बिक्री होती है, लेकिन बारिश का सीजन शुरू होते ही इसकी कीमत बढ़ते हुए प्रति हाईवा 30 हजार रुपए तक पहुंच गई है। रेत की तरह गिट्टी भी साइज के अनुसार सामान्य दिनों में प्रति हाईवा 16 से 18 हजार रुपए में बेची जाती है, वहीं इसकी कीमत भी इन दिनों 27 से 28 हजार रुपए प्रति हाईवा हो गई है। खनिज विभाग के अधिकारियों का कहना है कि रेत एवं गिट्टी की कीमत निर्धारित नहीं है, इसलिए इस पर अंकुश लगाने के लिए औचक निरीक्षण कर कार्रवाई का भी कोई प्रावधान नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि कीमत तय नहीं है, इसलिए विभाग में कार्रवाई का प्रावधान भी नहीं है।

कार्रवाई का कोई प्रावधान नहीं

विभाग का काम सिर्फ खदानों की नीलामी प्रक्रिया पूरी कराना है, जिसके बदले विभाग को रायल्टी के रूप में राजस्व मिलता है। रेत एवं गिट्टी को किस कीमत पर बेचा जाना है, यह निर्धारित नहीं है, और न ही कार्रवाई का प्रावधान है। विभाग में अधिक कीमत पर बिक्री संबंधी एक भी शिकायत नहीं आई है। अगर आएगी, तो उसका निराकरण किया जाएगा।

- राजेश मालवे, उप संचालक खनिज विभाग रायपुर\

शब्द पहेली - 6284

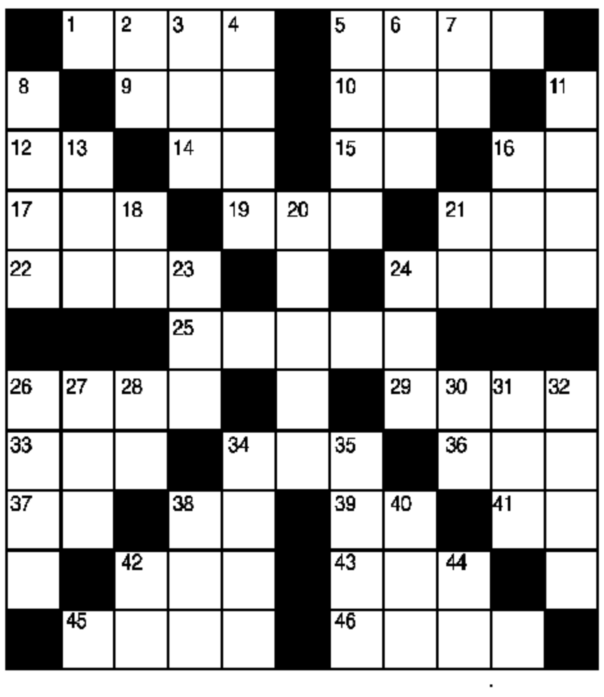

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली- 6283 का हल

सूडोकु नवताल - 6294

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6293 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

बरसात आते ही थम जाती है जिंदगी...

छत्तीसगढ़ के सैकड़ों गांव ऐसे जहां पुल पुलिया नहीं होने से जीवन ठहर जाता है | उनकी मांग करोड़ों की नहीं, मामूली थोड़ा विकास दे सकता है सुखद अहसास

डिजिटल इंडिया में टापू बनते गांव, कहीं 20 साल से जर्जर पुलिया, कहीं नाव ही सहारा

एक तरफ देश तकनीक और विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के सैकड़ों ग्रामीण इलाके आज भी बुनियादी ढांचों के अभाव में मानसून के आते ही दुनिया से कट जाते हैं। ऐसे गांव पूरे प्रदेश में हैं। आज हम गरियाबंद, बस्तर और डोंडी अंचल के दर्जनों गांवों के हालात बता रहे हैं। हल्की बारिश भी यहां की रफ्तार पर ब्रेक लगा देती है। कहीं दो दशकों से क्षतिग्रस्त पुलिया नहीं सुधारी गई, जिससे 32 गांव टापू बन जाते हैं; कहीं करोड़ों की लागत से बन रहे पुल सालों से अधूरे हैं और ग्रामीण उफनती नदियों को नाव के सहारे पार करने को मजबूर हैं; तो कहीं प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद भी काम शुरू न होने से स्कूली बच्चों और किसानों को महज 4 किलोमीटर के सफर के लिए 30 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। मूलभूत सुविधाओं की यह कमी बारिश के दिनों में न सिर्फ आवागमन को रोकती है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और आपातकालीन सेवाओं को ठप कर ग्रामीणों की जिंदगी को संकट में डाल देती है।

उफनती नदियां कई गांवों का बंद कर देती है रास्ता

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

बस्तर जिले के कई गांव भारी बारिश के दौरान हर साल टापू में तब्दील हो जाते हैं। लगभग 17 से अधिक गांव में उफनती नदियां (जैसे इंद्रावती और शबरी) और बाढ़ का पानी मुख्य मार्गों को डुबो देते हैं, जिससे इन इलाकों का संपर्क पूरी तरह कट जाता है। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा ब्लॉक के नक्सल प्रभावित रहे 15 गांव में आने-जाने के लिए पक्की सड़क और इन्द्रावती नदी पर पुल का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। लोगों को गांव से दूसरे गांव या ब्लॉक मुख्यालय जाने के लिए केवल नाव का ही सहारा है। सेतु निर्माण की ओर से बिन्ता-सतसपुर से धर्माबेड़ा में इन्द्रावती नदी पर 24.26 करोड़ की लागत से पुल निर्माण कार्य ▶▶|शेष पेज 6 पर

20 साल में नहीं बना क्षतिग्रस्त पुल, 32 गांव बन जाते हैं टापू

परमेश्वर यादव ▶▶| रसेला

देश में डिजिटल इंडिया के नारे के बीच आज भी कई गांव साधन-सुविधा के इंतजार में हैं। आजादी के इतने वर्ष बाद भी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं। गरियाबंद जिले के रसेला के आसपास के गांवों की भी यही कहानी है। यहां 20 साल पहले पुल क्षतिग्रस्त हुआ था, जिसे आज तक नहीं बनाया गया है। लिहाजा बारिश होने पर पुल पर तीन फीट से ज्यादा पानी बहने लगता है। इस कारण करीब 32 गांव टापू बन जाते हैं। उन्हीं ग्रामों में से एक ग्राम है रसेला, जहां सडक, पुल, शिक्षा और चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं का बुरा हाल है। कहने को तो इस अंचल में पीएमजेएसवाई के तहत बनायी गई सड़कें जरूर है, लेकिन इस अंचल में पहुंचने के लिए ▶▶|शेष पेज 6 पर

चार साल बाद भी नहीं बना पुल, 4 किमी के लिए लगाना पड़ता है 30 किमी का फेरा

अनिल सुतार ▶▶| कुसुमकसा

बालोद जिले के विकासखंड डोंडी के चिपरा से किल्लेकोड़ा मुख्य मार्ग पर जुझारा नाला में बने पुराने पुल की ऊंचाई कम होने के कारण हर बारिश में पुल के ऊपर पानी भर जाता है, जिससे आवागमन पूरी तरह बंद हो जाता है। इसका सबसे अधिक असर शासकीय हाई स्कूल किल्लेकोड़ा में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और किसानों पर पड़ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस विद्यालय में चिपरा, भर्रीटोला-43, रजही, ककरेल, जुनवानी और मरकामटोला के विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। ▶▶|शेष पेज 6 पर

चार दशकों से ट्यूब और नाव के सहारे चल रही ग्रामीणों की जिंदगी

अजय नारायण पांडेय ▶▶| अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ का गठन होने के बाद कई सरकारें बदली लेकिन संभाग मुख्यालय से महज 15 किमी दूरी पर स्थित ग्राम लवईडीह की हालत में कोई बदलाव नहीं आया है। ग्रामीण दशकों से अपनी जिन्दगी को आसान बनाने, पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन अब तक इस दिशा में कोई पहल नहीं हो सकी है। श्याम घुनघुट्टा सिंचाई बांध बनने के बाद ग्राम लवईडीह बांध के डूबान क्षेत्र में आ गया। बड़े इलाके में घुनघुट्टा नदी का ▶▶|शेष पेज 6 पर

फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण

सूची में श्रीमती नीता अंबानी प्रथम स्थान पर रहीं

श्रीमती नीता एम. अंबानी को इस वर्ष की फॉर्च्यून मोस्ट पावरफुल वुमेन सूची में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उन्हें यह सम्मान उनके दूरदर्शी विज़न, प्रभावशाली नेतृत्व तथा रिलायंस फाउंडेशन के माध्यम से संस्थान निर्माण और समावेशी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए मिला है। रिलायंस फाउंडेशन अब तक 10 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर चुका है, जिनमें 2.9 करोड़ बच्चे शामिल हैं।

फॉर्च्यून इंडिया ने शुक्रवार को मुंबई के फोर सीज़न्स होटल में अपने प्रमुख मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 समारोह का आयोजन किया, जिसमें व्यवसाय, वित्त, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक नीति और उद्यमिता जगत की भारत की अग्रणी महिला नेताओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वूमेन 2026 सूची का अनावरण किया गया, जिसमें उन 100 महिलाओं को सम्मानित किया गया जिनका नेतृत्व देश की अर्थव्यवस्था और कारोबारी परिदृश्य को नई दिशा दे रहा है। शाम के दौरान नेतृत्व के भविष्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वित्तीय सशक्ति करण, उद्यमिता, समावेशन और राष्ट्र-निर्माण जैसे विषयों पर कई प्रभावशाली और ओजस्वी विचारों से परिपूर्ण सत्र आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक के रूप में रिलायंस फाउंडेशन की चेयर पर्सन और इस वर्ष की नंबर 1 मोस्ट पावरफुल वूमेन नीता अंबानी ने नेतृत्व की व्यापक परिभाषा पर जोर देते हुए कहा कि नेतृत्व का आधार करुणा, समावेशन और अवसर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य के लिए बेटियों में निवेश करना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न सत्रों में उद्योग जगत के नेताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भू-राजनीतिक बदलाव और तेज़ी से विकसित हो रही तकनीक उद्योगों को बदल रही है, फिर भी प्रभावी नेतृत्व की असली पहचान जिज्ञासा, दृढ़ता, ग्राहक-केंद्रित सोच और मानवीय विवेक ही रहेंगे। वित्तीय समावेशन पर हुई चर्चाओं में इस बात पर बल दिया गया कि महिलाओं के सशक्तिकरण का अगला चरण केवल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें संपत्ति सृजन और वित्तीय निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में समावेशी कार्यस्थलों के निर्माण, लंबे समय तक प्रभाव छोड़ने वाले उपभोक्ता ब्रांड विकसित करने तथा विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। मोस्ट पावरफुल वूमेन मंच आज भारत के सबसे प्रभावशाली नेतृत्व मंचों में से एक के रूप में अपनी पहचान और प्रभाव लगातार मजबूत कर रहा है। वर्ष 2026 का यह संस्करण इस बात की पुनर्पुष्टि करता है कि फॉर्च्यून इंडिया व्यवसाय और समाज में सार्थक परिवर्तन लाने वाली महिलाओं को सम्मानित करने और उनकी उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के अपने संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है।

नीता अंबानी, चेयरपर्सन, रिलायंस फ़ाउंडेशन, इम्पैक्ट लीडरशिप

धीरूभाई अंबानी ने एक बार कहा था, "जो लोग सपने देखने की हिम्मत करते हैं, उनके लिए जीतने के लिए पूरी दुनिया होती है।" और परिवार में जिस व्यक्ति ने बड़े और सबके साथ मिलकर आगे बढ़ने वाले सपने देखे हैं, वे उनकी बहू नीता अंबानी हैं। रिलायंस फ़ाउंडेशन की चेयरपर्सन के तौर पर, वह ऐसे संस्थान बनाने पर ध्यान देती हैं जो बड़े पैमाने पर काम करने के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी लाते हैं, और साथ ही सबके साथ मिलकर विकास (इनक्लूसिव ग्रोथ) के विजन को आगे बढ़ाते हैं।

शुरुआत से ही, फ़ाउंडेशन ने अपनी सामाजिक पहलों के जरिए 9.7 करोड़ से ज़्यादा लोगों की जिंदगी को छुआ है। अकेले FY26 में, इसने सीएसआर प्रोग्राम पर 2,248 करोड़ रू. खर्च किए, जो पिछले साल के 2,156 रू. करोड़ से ज़्यादा है। आगे की बात करें तो, अंबानी ने 2035 तक फ़ाउंडेशन के सामाजिक प्रभाव को पाँच गुना बढ़ाने की योजना बनाई है। इसमें मुंबई में 2,000 बिस्तरों वाले मेडिकल सिटी के साथ जुड़ा एक मेडिकल कॉलेज बनाना भी शामिल है। 'वंतारा' में, वह दुनिया की पहली वाइल्डलाइफ़ यूनिवर्सिटी बनाने का सपना देखती हैं। "आने वाले सालों में हम जो हासिल कर सकते हैं, उसे लेकर मैं उत्साहित हूँ।"

इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक बातचीत में श्री नेविन जॉन ने बताया कि श्रीमती नीता अंबानी जी कहती हैं "हमारे लिए, 'अच्छा काम करना' सिर्फ़ एक पहल नहीं है और 'WE CARE' (हम परवाह करते हैं) सिर्फ़ एक सोच नहीं है। यह जीने का एक तरीका है... असली ताकत दूसरों को ऊपर उठाने में है।"

पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है। पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं? पहले शहरों में बड़े तालाब और झीलें होती थीं, जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर ठीक करने का काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि वर्षा जल को संरक्षित नहीं किया गया तो बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। ***इन्हीं समस्याओं के समाधान की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

हम खुद बना रहे बारिश को आपदा

विश्लेषण
दिनेश शर्मा 'दिनेश'
वरिष्ठ स्तंभकार

सुदर्शन फ़ाकिर ने कहा है-
ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी ले लो,
भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी।
मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन,
वो कागज़ की कश्ती, वो बारिश का पानी।

बारिश की बूंदें हमेशा आम जनमानस के लिए एक सुकून का सुखद संदेश लेकर आती हैं। तपती और झुलसा देने वाली गर्मी के बाद जब धरती की प्यास बुझती है तो मिट्टी से आने वाली सोंधी खुशबू किसी भी मन को आनंदित कर देती है। बारिश प्रकृति का वह वरदान है जो नवजीवन का संचार करता है, लेकिन आज के इस आधुनिक युग में जहां हम भौतिक विकास की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, मानसून का यह प्राकृतिक सौंदर्य हमारे लिए एक बुरे सपने जैसा बनता जा रहा है। अभी मानसून की शुरुआत ही हुई है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक की सड़कें, नालियां और जल निकासी व्यवस्था चरमराने लगी है। पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है।

पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं?

यदि इस प्रश्न के उत्तर की अच्छे से तलाश की जाए तो इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है।

इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है। सत्य तो यह है किअनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है।

सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा

इस सन्दर्भ में अधिक गहनता से विचार करने पर बड़ा कारण हमारे सामने आता है। दरअसल नगरीय नियोजन के नाम पर हमने कंक्रीट के ऐसे जंगल खड़े कर दिए हैं, जहां पानी को जमीन के भीतर रिसने या बाहर निकलने का कोई प्राकृतिक रास्ता ही नहीं बचा है।

हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए पारंपरिक तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों और झीलों का निर्माण किया था, जिन्हें आज पाटकर उन पर बहुमंजिला इमारतें और विशाल व्यावसायिक परिसर खड़े कर दिए गए हैं अथवा अवैध कब्जे करके उनका अस्तित्व मिटा दिया गया है। जब जल को बहने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो वह स्वाभाविक रूप से हमारी सड़कों और घरों में ही तो प्रवेश करेगा। अत्याधुनिक नगरों की परिकल्पनाएं और बड़े-बड़े दावे पहली ही बारिश के पानी में कागज की नाव की तरह बहते हुए नजर आते हैं। सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा होता है; जो गाद और कचरा नालों से निकाला जाता है, उसे बारिश आने तक वहीं सड़कों के किनारे छोड़ दिया जाता है, जो पहली बारिश के प्रवाह के साथ वापस उसी नाले में बहकर उसे दोबारा अवरुद्ध कर देता है।

गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार

अब इस सिक्के के दूसरे पहलू पर भी विचार करना अत्यंत आवश्यक है। क्या सारा दोष केवल व्यवस्था और प्रशासन का है? सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है। एक शहर या मोहल्ले की जल निकासी व्यवस्था एक निश्चित आबादी का भार सहने के लिए बनाई जाती है। जब वहां क्षमता से कई गुना अधिक लोग रहने लगेंगे, बिना किसी योजना के अवैध बस्तियां बसेंगी और सड़कों तक अतिक्रमण होगा तो सबसे मजबूत व्यवस्था का चरमराना भी तय है। लोग नागरिक सुविधाओं पर बेतहाशा दबाव डाल रहे हैं, लेकिन उन सुविधाओं के रखरखाव में अपना आत्मीय योगदान देने से कतराते हैं।

बुनियादी सुविधाओं का टोटा

एक समय था जब जलभराव और यातायात अवरोध की समस्या केवल बड़े महानगरों तक सीमित मानी जाती थी। आज छोटे शहर और कस्बे भी इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। छोटे शहरों ने महानगरों की तर्ज पर अंधाधुंध भवनों का निर्माण तो शुरू कर दिया, लेकिन भूमिगत जल निकासी और जल प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का उस अनुपात में विकास नहीं किया गया है। इसके कारण वहां की स्थिति महानगरों से भी अधिक भयावह होती जा रही है, क्योंकि वहां तकनीकी संसाधनों का अभाव महानगरों की तुलना में कहीं अधिक है। सड़कों, फुटपाथों और आंगनों को पक्का (सीमेंटेड) कर देने से बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से धरती के अंदर नहीं जा पाता। इसके अलावा शहरों के विस्तार के साथ ड्रेनेज नेटवर्क और सीवरेज लाइनें नहीं बिछाई जातीं।

दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी

हम अपने घरों का कचरा, पॉलिथीन की थैलियां, प्लास्टिक या कांच की बोतलें, निर्माण सामग्री के मलबे को खुले नालों में फेंक देते हैं। जो बाद में पानी के बहाव को पूरी तरह से रोक देता है। जब समूचा तंत्र इस कचरे के कारण दम तोड़ने लगता है, तब हम प्रशासन को कोसने लगते हैं। घरों के बाहर जल निकासी के रास्तों पर पक्के चबूतरे बना लेना और अतिक्रमण करना एक आम प्रवृत्ति बन गई है, जिससे सफाई व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होती है। वस्तुतः मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली यह भयंकर स्थिति प्रशासनिक नाकामी और नागरिक लापरवाही का मिलाजुला परिणाम है। जहां प्रशासन के पास दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी है, वहीं नागरिकों के पास अपने कर्तव्यों के प्रति बोध का अभाव है। जब तक दोनों एक-दूसरे पर दोषारोपण करते रहेंगे, तब तक संकट का कोई स्थायी समाधान कभी नहीं निकल पाएगा। अंतः मानसून को एक त्रासदी बनने से रोकने के लिए सत्ता और समाज, दोनों को मिलकर एक ईमानदार शुरुआत करनी ही होगी।

पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई

व्यवस्था
डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरुआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े।

किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोर-लेन सड़कें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सड़कों को चौड़ा करने के लिए 'वर्टिकल कटिंग' यानी सीधी कटाई की जा रही है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है। दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़कर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है। टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है।

यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है। मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो 'ग्लोबल वॉर्मिंग' हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-ड्यूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है। पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। नदियों के पास अपना रिवर बैड या 'बाढ़ क्षेत्र' होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का सबसे बड़ा कारण है। यदि हमें खूबसूरत पहाड़ों और वहां रहने वाले करोड़ों लोगों को बचाना है तो हमें अविलंब कठोर कदम उठाने होंगे। सख्त इको-सेंसिटिव ज़ोनिंग पहाड़ों की जरूरत है। आपदा संभावित क्षेत्रों में भारी निर्माण कार्य और बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध अनिवार्य है। सड़कों के निर्माण में ग्रीन इंजीनियरिंग और 'बायो-इंजीनियरिंग' तकनीकों का उपयोग जरूरी है। कंक्रीट की दीवारों के बजाय ऐसी वनस्पतियां लगाई जाएं जो मिट्टी को स्वाभाविक रूप से बांधें। पहाड़ों को 'मॉल' या कंक्रीट का जंगल बनाने की भूल हमें नहीं करनी चाहिए। विकास ऐसा होना चाहिए जो पहाड़ों की ऊंचाई को बनाए रखे न कि उन्हें मलबे के ढेर में तब्दील कर दे। प्रकृति कभी अन्याय नहीं करती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। हमने जंगल काटे, नदियों को बांधा और पहाड़ों को तोड़ा-अब प्रकृति अपना जवाब दे रही है। प्रकृति चेतावनी भी देती है और सबक भी सिखाती है। आज की सुविधा, कल की त्रासदी न बन जाए इसलिए प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही मानवता का भविष्य है। धरती का धैर्य असीम नहीं है; जब वह टूटता है, तब आपदाएं जन्म लेती हैं लिहाजा यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली अपनाएं

मंथन
विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष गर्मियों के आगमन के साथ देश के अधिकांश राज्यों में पेयजल संकट की खबरें सुर्खियां बन जाती हैं। कहीं टैंकरों के पीछे लंबी कतारें लगती हैं, कहीं महिलाएं कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर होती हैं, तो कहीं किसान सूखे खेतों को देखकर आसमान की ओर टकटकी लगाए रहते हैं। विडंबना यह है कि कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आता है और वही देश बाढ़, जलभराव तथा नदियों के उफान से जूझने लगता है। एक ओर पानी की बूंद-बूंद के लिए संघर्ष और दूसरी ओर करोड़ों लीटर वर्षाजल का बिना उपयोग समुद्र में बह जाना, यही हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विफलता है। भारत विश्व के उन देशों में है जहां वर्षा की मात्रा पर्याप्त है, लेकिन उसका वितरण असमान और प्रबंधन अत्यंत कमजोर है।

यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आज देश के अनेक शहरों का भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर और हैदराबाद जैसे महानगरों में भूजल का अत्यधिक दोहन चिंता का विषय बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पारंपरिक कुएं और हैंडपंप सूखते जा रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि जितनी तेजी से हम धरती से पानी निकाल रहे हैं, उतनी ही गंभीरता से उसे वापस धरती में पहुंचाने का प्रयास नहीं कर रहे। वर्षाजल संचयन इस असंतुलन को ठीक करने का सबसे प्रभावी और अपेक्षाकृत सस्ता उपाय है। दुर्भाग्य से भारत में जल संरक्षण की चर्चा अक्सर तब होती है जब संकट सिर पर आ जाता है। गर्मियों में पानी की कमी पर योजनाएं बनती हैं और मानसून आते ही पूरा ध्यान जल निकासी पर केंद्रित हो जाता है। शहरों में वर्षाजल को सहेजने के बजाय उसे जल्द से जल्द नालों के माध्यम से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाती है। परिणाम यह होता है कि बरसात के कुछ दिनों बाद वही शहर फिर पानी की कमी से जूझने लगते हैं। यह स्थिति बताती है कि हमारी प्राथमिकताएं दीर्घकालिक समाधान के बजाय तात्कालिक राहत तक सीमित हैं। भारत की पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली इस मामले में आज भी प्रेरणा देती है। राजस्थान के जोहड़, गुजरात की बावड़ियां, महाराष्ट्र के बंधारे, दक्षिण भारत के तालाब और उत्तर भारत के पोखर केवल जल स्रोत नहीं थे, बल्कि समाज की सामूहिक जल संस्कृति का हिस्सा थे। इन संरचनाओं ने सदियों तक लोगों की प्यास बुझाई और भूजल स्तर को बनाए रखा। आधुनिक विकास की दौड़ में इन पारंपरिक प्रणालियों की उपेक्षा हुई और उनके स्थान पर केवल पाइपलाइन आधारित जल आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भरता बढ़ती चली गई। अब समय आ गया है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय किया जाए। नगर नियोजन, भवन निर्माण, औद्योगिक लाइसेंस और ग्राम विकास योजनाओं में वर्षाजल संचयन को अनिवार्य शर्त बनाना चाहिए। वर्षाजल संचयन को केवल सरकारी योजना मान लेना भी पर्याप्त नहीं होगा। यह सामाजिक भागीदारी का विषय है। प्रत्येक मकान, विद्यालय, सरकारी कार्यालय, उद्योग और बहुमंजिला इमारत में वर्षाजल संचयन प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए। छतों पर गिरने वाले पानी को पाइपों के माध्यम से भूमिगत टैंकों या रिचार्ज पिट तक पहुंचाया जा सकता है। इससे न केवल पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी बल्कि भूजल स्तर भी सुधरेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे-छोटे तालाब, चेक डैम, खेत-तालाब, मेड़बंदी और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसी योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों से वर्षाजल लंबे समय तक भूमि में ठहरता है, जिससे कृषि को लाभ मिलता है और सूखे की संभावना कम होती है। जल संरक्षण केवल संसाधन प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीति भी है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि इस तेज वर्षा को संरक्षित नहीं किया गया तो एक ओर बाढ़ का खतरा बढ़ेगा।

भविष्य की जल नीति में वर्षाजल संचयन को केंद्रीय स्थान देना समय की मांग है। सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

बाढ़ नियंत्रण में छोटे बांध भी सहायक

मानसून
चरण जीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

मानसून एक ऐसा शब्द है जिसका नाम जुबान पर आने या किताब में पढ़ने से ही मन में एक बड़ा खूबसूरत दृश्य बनता है। बारिश की बूंदें ठंडी हवा ,चारों तरफ हरियाली, खेतों की मेड़ों पर उगती दूब, पेड़ों पर फूटती कोपलें, उजाले की ओर दौड़ते कीट-पतंगे, रात के अंधेरे में सन्नाटे को चीरती कीटों की आवाज़ और इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण जेठ की तपती दोपहरी में चलती हुई लू के थपेड़ों से व्याकुल प्यासी धरती पर पड़ती पानी की बूंदों से उठती मिट्टी की सोंधी महक।

वर्षों से मानसून भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। भारत में बहुत से तीज-त्योहार, खानपान, रहन-सहन और जीवन से जुड़ी बहुत सारी गतिविधियां मानसून के अनुसार निर्धारित की गई हैं। मानसून अगर समय पर न आए या बारिश कम हो तो भारतीय जनजीवन इससे बहुत अधिक प्रभावित होने लगता है। मानसून के इस मौसम में अगर बारिश निर्धारित मात्रा से कम होती है तो जीवन-यापन का एक बड़ा संकट पैदा हो जाता है। यदि बारिश अधिक होती है तो और बड़ा संकट पैदा होता है। हालांकि भारत ने अपने स्तर पर सीमित संसाधनों के माध्यम से इस क्षेत्र में बहुत से उपाय किए हैं, लेकिन कई बार जब मानसून अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ता है तो पूर्व में किए गए सारे इंतज़ाम नाकाफ़ी लगने लगते हैं। फिर नए सिरे से एक नई बहस शुरू हो जाती है कि और क्या इंतज़ाम किए जाएं कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सके। अत्यधिक वर्षा के कारण पानी का प्रवाह बाढ़ के रूप में जब नदियों के तटों को तोड़ता हुआ खेतों, गांवों और शहरों में प्रवेश करता है तो यह सिर्फ धनहानि नहीं करता बल्कि कई बार इतनी बड़ी मात्रा में जनहानि होती है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। गांव के गांव इस बाढ़ में बह जाते हैं। नदियों के तटबंध टूटने के कारण सड़कें, रेल लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। यहां तक कि सामान्य यातायात भी थम जाता है। आज जब हम इंटरनेट के आधुनिक युग में जी रहे हैं तो बाढ़ से प्रभावित लोगों के जीवन से जुड़ी असामान्य तस्वीरें और वीडियो देखकर एक प्रश्न अनायास ही मन में उठता है कि आधुनिकता का ढोल पीटने वाली इस दुनिया में क्यों ऐसे इंतज़ाम नहीं हो सके कि बाढ़ से होने वाले नुकसान को न्यूनतम स्तर तक ले जाया जा सके। बांध बाढ़ की तीव्रता को कम करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे हर स्थिति में बाढ़ को पूरी तरह नहीं रोक सकते। आज़ादी के बाद भारत में कई बड़े बांध बनाए गए जिनका उद्देश्य पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना और उससे बिजली का उत्पादन कर देश के विकास में उपयोग करना था। इसका लाभ यह हुआ कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ, लेकिन इन बड़े बांधों के कुछ विपरीत प्रभाव भी हैं। अत्यधिक वर्षा के कारण जब ये बांध अपनी क्षमता को लांघने लगते हैं तो इनसे पानी की बड़ी मात्रा छोड़ दी जाती है और यही पानी कृत्रिम बाढ़ का काम करता है जो सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक घातक होता है। विशेषज्ञ अपने सुझाव देते हैं?

जब भी बाढ़ को रोकने के लिए बांध बनाने की बात होती है तो विपरीत प्रभाव भी सामने आने लगते हैं। जैसे कोई भी बांध बनाने के बाद कई किलोमीटर का हराभरा क्षेत्र पानी में डूब जाता है। उस क्षेत्र की वनस्पतियां, गांव, तालाब, झील सब इस बांध के पेट में समा जाते हैं।

इससे उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जनजीवन असामान्य रूप से प्रभावित होता है। इसका मतलब ये नहीं है कि परिस्थितियों से निपटने के लिए कुछ न किया जाए। समाधान अपने पारंपरिक जल-संरक्षण के साधनों और स्रोतों की ओर लौटने में भी निहित है। हमारे पूर्वजों ने पानी को सही दिशा देने के उपाय बहुत पहले खोज लिए थे। एक समय पर गांव और शहरों में बड़े-बड़े तालाब और झीलें होती थीं जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर को ठीक करने काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण न सिर्फ पानी अनियंत्रित हुआ बल्कि जलस्तर भी तेज़ी से नीचे गिरा है। ज़रूरत है उन तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तालाबों और झीलों तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की जरूरत है। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

बिलासपुर

रविवार 12 जुलाई 2026

आषाढ़, कृष्ण पक्ष त्रयोदशी

वर्ष : 26, अंक : 111

पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम

अधि. 33.4

न्यून. 27.2

haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

राज्य में सीजनल बरसात सामान्य से 21 फीसदी कम कुल 252.4 मिमी. बारिश

प्रदेश में बारिश पर ब्रेक, उमस बढ़ी अब 14 के बाद तय होगी कब होगी बादलों की वापसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

बारिश बंद होते ही उमस ने एक बार फिर लोगों को हलाकान करना शुरू कर दिया है। दिन से ज्यादा रात में गर्माहट होने की वजह से पुनः एसी का उपयोग शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि दो दिन बाद राज्य में एक बार फिर वर्षा की गतिविधि में इजाफा हो सकता है। बरसात बंद होने की वजह से सामान्य से कमी 21 फीसदी हो चुकी है। राज्य में अब तक 252.4 मिमी. पानी बरसा है। अभी सक्रिय मानसून नहीं है। 14 जुलाई के बाद नया सिस्टम बनेगा, उसके बाद पता चलेगा कि बारिश होगी या नहीं, या कितनी होगी।

राज्य में जुलाई के महीने में एक दौर की बारिश हुई है, सामान्यतः माह के बीतने के दौरान कोटा पूरा करने के लिए दो से तीन ताकतवर सिस्टम बनते हैं। माना जा रहा है कि राज्य में 14 जुलाई के आसपास बरसात की गतिविधि बढ़ सकती है। बंगाल की खाड़ी में बन रहा सिस्टम राज्य के लिए कितना प्रभावशाली होगा यह आने वाले समय में पता चलेगा। राज्य में पिछले चार दिन से वर्षा में कमी ▶▶|शेष पेज 6 पर

मानसून द्रोणिका मणिपुर तक

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अभी मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर श्रीगंगानगर, रोहतक, शाहजहांपुर, मुजफ्फरपुर और उसके बाद पूर्व दक्षिण पूर्व की ओर मणिपुर तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित है। पश्चिमी विक्षोभ पंजाब और उसके आसपास मौजूद है। एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम बिहार से मणिपुर तक विस्तारित है। मौसम में अगले चौबीस घंटे में बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

विशेषज्ञों की सलाह- चिंता नहीं करे किसान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. डीके चन्द्राकर ने किसानों को चिंता न करने की सलाह दी है। फसल प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, नर्सरी, रोपाई एवं लेही पद्धति से बुवाई को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए समय पर बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके। जिन किसानों ने वर्षा के बाद धान की बुवाई या रोपाई कर ली है, उन्हें फसल की 20 से 25 दिन की अवस्था में खरपतवार नियंत्रण को प्राथमिकता देनी चाहिए।ऐसे क्षेत्रों में जहां श्रमिक उपलब्ध नहीं हैं, वहां निंदानाशकों का उपयोग कर खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है, जबकि श्रमिक उपलब्ध होने पर 25 और 40 दिन की अवस्था में निंदाई करना अधिक प्रभावी रहता है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

श्रद्धालुओं का नया जत्था अमरनाथ के लिए रवाना

जम्मू। जम्मू में भगवती नगर आधार शिविर से 2,435 महिलाओं समेत 9,182 श्रद्धालुओं का 10वां जत्था शनिवार को दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए रवाना हुआ। श्रद्धालुओं के इस जत्थे में 256 साधु, 46 साध्वियां और 31 बच्चे भी शामिल हैं। श्रद्धालु अनंतनाग के नुनवान-पहलगाम और गांदरबल के बालटाल आधार शिविरों के लिए रवाना हुए।

अमरनाथ यात्रियों को कैब में छूटी नकदी वापस मिली

बनिहाल/जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रामबन जिले में अमरनाथ यात्रा कर रहे तीन श्रद्धालुओं का एक बैग बरामद कर उन्हें सौंप दिया जिसमें 1.32 लाख रुपए नकद और कुछ जरूरी दस्तावेज थे। महाराष्ट्र के ये श्रद्धालु बनिहाल में यात्री शिविर में पहुंचने से पहले टैक्सी में अपनी सीट के नीचे बैग भूल गए थे। उन्हें रविवार को दक्षिण कश्मीर में अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए आगे बढ़ना था। सूचना मिलने पर, बनिहाल के थाना प्रभारी आशिक हुसैन लोन की अगुवाई में एक टीम ने सोपोर पुलिस के साथ मिलकर टैक्सी और उसके चालक का पता लगाया।

बाइक की टक्कर से तीन की गई जान

खूंटी। झारखंड के खूंटी जिले में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से साइकिल सवार समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान साइकिल सवार पूर्ण मुंडा (47), मोटरसाइकिल चालक अमृत पातर (25) और मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे आयुष पातर (17) के रूप में हुई है, जबकि उनका दोस्त सुनील पातर (25) रांची स्थित रिम्स में उपचाराधीन है।

बस की चपेट में आने से तीन यात्रियों की मौत

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार तड़के रोडवेज बस के ट्रक से टकराने के बाद उससे उतरे तीन यात्रियों की बस की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे में परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा शनिवार तड़के करीब दो बजे उन्नाव जिले के दही थाना क्षेत्र में कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। बस एक ट्रक से टकरा गई, जिसके बाद परिचालक और कुछ यात्री नुकसान का जायजा लेने बस से नीचे उतर गए। बस चालक ने कथित तौर पर यह जाने बिना कि यात्री और परिचालक बस के सामने खड़े हैं।

अमेरिका-ईरान में तनातनी : ट्रंप ने फिर धमकाया, कहा- एक हजार मिसाइलें तैयार

पिता के जनाजे के बाद मोजतबा का ऐलान, खून का बदला खून

एजेंसी ▶▶| दुबई

युद्ध समाप्त करने के लिए हुआ अंतरिम समझौता क्षेत्र में बार-बार हो रहे हमलों के कारण कमजोर पड़ने के बीच शनिवार को अमेरिका और ईरान ने एक-दूसरे को धमकियां दीं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर बड़े मिसाइल हमले की धमकी दी। ट्रंप की इस टिप्पणी से पहले अमेरिका ने ईरान से सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करने की मांग की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला है और इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले पोतों पर अब हमले नहीं किए जाएंगे। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ट्रंप की हत्या का खुले तौर पर आह्वान किए जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ टिप्पणियां कीं। ट्रंप की धमकी के बाद शनिवार को ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने संकल्प जताया कि ईरानी उनके पिता अली खामेनेई की मौत का बदला लेकर रहेंगे।

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी जारी है। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने एक बार फिर अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने की कसम खाई है। उन्होंने अमेरिका और इजरायल की तरफ से की गई अपने पिता की हत्या का बदला लेने का संकल्प लिया है और कहा है कि खून का बदला खून है। इधर, खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान उनकी हत्या की खुली मांग के बाद ट्रंप ने ईरान को धमकी दी।

तनाव के बीच परमाणु विकसित कर रहा ईरान!

नई सैटेलाइट्स तस्वीरों में बड़ा खुलासा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान अपने कुछ संदिग्ध परमाणु ठिकानों पर फिर से निर्माण कार्य शुरू कर रहा है। दरअसल, पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए 14 सूत्रीय मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग के मुताबिक ईरान ने परमाणु हथियार न बनाने का दावा किया था। ऐसे में इन इमेजिस से समझौता के उल्लंघन की संभावना बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा गतिविधि पारचिन परमाणु परिसर में देखी गई है।

नए सुप्रीम लीडर मोजतबा ने जारी किया लिखित संदेश

इधर, शांति वार्ता बहाल करने का प्रयास

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका और ईरान के बीच ठप पड़ी वार्ता को फिर से शुरू कराने के प्रयास के तहत ईरान और कतर के नेताओं से अलग-अलग बातचीत की। शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बातचीत के दौरान 'क्षेत्र में हाल में बढ़े तनाव पर गहरी चिंता' जताई।

खामेनेई का अंतिम संस्कार कार्यक्रम खत्म

शुक्रवार को मशहद शहर में इमाम रजा दरगाह पर अली खामेनेई की हत्या के लगभग चार महीने बाद उन्हें दफनाया गया। छह दिन तक चले अंतिम संस्कार समारोह में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। हालांकि 'सुरक्षा कारणों' से मोजतबा इससे दूर रहे। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। वहीं ईरान और अमेरिका के बीच भी 'युद्धविराम' टूट गया है और दोनों ने एक दूसरे के सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को दी धमकी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान उनकी हत्या का खुले तौर पर आह्वान किए जाने के बाद शनिवार को ईरान को धमकी दी। ट्रंप ने अपनी वेबसाइट 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, एक हजार मिसाइलें तैयार हैं और उनका निशाना ईरान है। अगर ईरान सरकार अपनी धमकी पर अमल करती है तो इसके तुरंत बाद हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ईरान के सभी क्षेत्रों को पूरी तरह तबाह और नष्ट कर देगी- अल्लाह का शुक्र है! ट्रंप ने युद्ध और उसके बाद कायम अस्थिर युद्धविराम के दौरान कई बार अरबी में ईश्वर का नाम लिया है। उन्होंने ईरान की सभ्यता को नष्ट करने की धमकी भी दी है। देशव्यापी अधिकार संगठन 'काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस' ने पहले ट्रंप पर 'इस्लाम का विकृत तरीके से मजाक उड़ाने' का आरोप लगाते हुए उनकी आलोचना की थी।

शासकीय सीट बढ़कर 1450 हुई

जेएनएम मेडिकल कालेज में एमबीबीएस की 20 सीटें बढ़ीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में एमबीबीएस की 20 और सीटों को एनएमसी की एमएआरबी ने अनुमति दी है। अब यहां 250 विद्यार्थियों को प्रवेश का लाभ मिलेगा। इसके बाद राज्य में शासकीय मेडिकल कालेजों में सीटों की संख्या 1450 हो गई है। पांच नए कालेज की ढाई सौ सीटें अभी अनुमति के लिए वेटिंग में हैं।

एमएआरबी की ओर से शुक्रवार को सीट बढ़ाने का अनुमति पत्र जारी किया गया है। कालेज में पिछले साल 230 सीटों पर प्रवेश दिया गया था, जो बढ़कर अब 250 हो गया है। कालेज प्रबंधन ने चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से सीट बढ़ाने का प्रस्ताव काफी समय पहले भेज दिया था। उस दौरान केवल रायपुर समेत पुरानी सीटों का रिनीवल किया गया था। शुक्रवार को जारी अनुमति पत्र के बाद यहां की क्षमता ढाई ▶▶|शेष पेज 6 पर

63 सालों में 60 से बढ़कर 250 सीट

पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय वर्ष 1963 में 60 एमबीबीएस सीटों के साथ स्थापित हुआ था। समय-समय पर चिकित्सा महाविद्यालय ने अपनी प्रवेश क्षमता में वृद्धि की है। प्रारंभिक 60 सीटों से बढ़कर पहले संख्या 100 हुई। इसके बाद वर्ष 2009 में 150, वर्ष 2019 में 180, वर्ष 2023 में 230 तथा अब वर्ष 2026 में एनएमसी की नवीनतम स्वीकृति के बाद 250 सीटों तक पहुंच गई है। मेडिकल कालेज रायपुर प्रदेश में एमबीबीएस की सीटों में सबसे बड़ा शा. कालेज है।

2030 तक 35,000 करोड़ का लक्ष्य

विदाई का सही वक्त तय करता है महानता

समय स्वयं से कभी सार्वजनिक घोषणा नहीं करता। वह कोई शंखनाद नहीं करता, कोई बिगुल भी नहीं बजाता। वह केवल संकेत देता है। जो संकेतों को समझ लेते हैं, वे इतिहास में गरिमा के साथ दर्ज होते हैं। जो उन्हें अनसुना करते हैं, वे भी इतिहास में दर्ज तो होते हैं, लेकिन उनके अंतिम अध्याय पर अक्सर एक अनावश्यक उदासी की परत चढ़ जाती है।

लंदन से डॉ. हिमांशु द्विवेदी

गत दिवस विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर जैनिक सिनर के हाथों नोवाक जोकोविच की लगातार तीन सेटों में हुई हार केवल एक सेमीफाइनल का परिणाम नहीं थी। वह समय की दस्तक थी। यह वह क्षण था, जब टेनिस ने स्वयं अपने सबसे बड़े योद्धाओं में से एक से समय ने कहा, अब अगली पीढ़ी का समय है।

रोजर फेडरर ने यह आवाज़ समय रहते सुन ली थी। राफेल नडाल ने भी सुन ली। दोनों जानते थे कि महानता केवल यह नहीं कि आप कितनी बार जीतते हैं; महानता यह भी है कि आप विदा कब लेते हैं? वे खेल से हारे नहीं थे, उन्होंने बढ़ती उम्र के अहसास को महसूस कर समय से संघर्ष करना छोड़ दिया था। इसलिए आज उनकी स्मृतियों में पराजय नहीं, केवल वैभव दिखाई देता है। नोवाक जोकोविच अलग प्रकृति के खिलाड़ी हैं। शायद टेनिस इतिहास में उनसे अधिक जुझारू खिलाड़ी कम ही हुए हैं। टूटना उन्होंने सीखा ही नहीं।

▶▶|शेष पेज 6 पर

शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल

विम्बलडन का पुरुष एकल फाइनल इस बार दुनिया के नंबर एक और नंबर दो खिलाड़ियों के बीच खेला जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष भी फाइनल शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच ही हुआ था, बस चेहरे बदल गए हैं। तब मुकाबला कार्लोस अल्काराज़ और यानिक सिनर के बीच था, जिसमें सिनर ने बाज़ी मारते हुए फ्रेंच ओपन की हार का बदला महज़ कुछ ही सप्ताह बाद विम्बलडन की घास पर चुका दिया था। इस बार कहानी फिर कुछ वैसी ही लग रही है। फर्क इतना है कि सामने कार्लोस अल्काराज़ नहीं, बल्कि फ्रेंच ओपन के नए चैंपियन अलेक्जेंडर ▶▶|शेष पेज 6 पर

वियतनाम में नौका पलटी 15 भारतीयों की गई जान

एजेंसी ▶▶| हनोई

वियतनाम में शनिवार को एक नाव के पलट जाने से 15 भारतीयों की मौत हो गई। यह 'स्पीडबोट' 32 भारतीय पर्यटकों और चालक दल के चार सदस्यों को लेकर जा रही थी। तभी फू क्वोक तट के पास अन थोई द्वीप समूह में हॉन मे रुत नगोई द्वीप से करीब 400 मीटर दूर यह पलट गई। आसपास मौजूद पर्यटक नौकाएं मदद के लिए पहुंचीं, जिसके बाद 'बॉर्डर गार्ड', नौसेना, तटरक्षक बल और अन्य बल भी बचाव एवं राहत अभियान में उतरे। फू क्वोक वियतनाम का सबसे बड़ा द्वीप है तथा यह अपने सफेद रेत वाले समुद्र तटों, प्रवाल भित्ति और सैर-सपाटे के लिए मशहूर है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

पीएम मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नागरिकों की मौत पर शनिवार को गहरा शोक व्यक्त किया। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, वियतनाम में फू क्वोक के निकट भारतीय नागरिकों को ले जा रही नाव के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से बहुत दुख हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय दूतावास और भारतीय वाणिज्य दूतावास हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे अधिकारी भी वियतनाम के अधिकारियों के साथ करीबी संपर्क में हैं।

66 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में भेजे 626.25 करोड़ रुपए

मुख्यमंत्री ने जारी की महतारी वंदन योजना की 29वीं किश्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से महतारी वंदन योजना की 29वीं किश्त जारी करते हुए प्रदेश की 66 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 626.25 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की माताओं-बहनों ▶▶|शेष पेज 6 पर

महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महतारी वंदन योजना के साथ-साथ 'लखपति दीदी' जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भी महिलाओं की आय बढ़ाने, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-केवाईसी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर शत-प्रतिशत पात्र महिलाओं तक योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से बस्तर संभाग में इस कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश भी दिए।

बिलखते-चीखते नन्हीं बेटी ने देखा मां की मौत का मंजर

मासूम के सामने मां को हाथी ने सूंड़ से पटका, फिर पैर से कुचला, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

एक मासूम बच्ची के सामने उसकी मां को पहले हाथी ने सूंड़ से पटका और पैर से कुचल दिया। इस घटना में वह गंभीर रुप से घायल हो गई। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, दूसरी घटना में शौच के लिए बाहर गए एक ग्रामीण को हाथी ने पटककर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। आक्रोशित हाथी ने रेस्क्यू के लिए पहुंचे वन विभाग के वाहन को भी गुस्से में पलटने की कोशिश की। इसका वीडियो ग्रामीणों ने छत सें बनाया। वन अमला लगातार प्रभावित क्षेत्रों में मुनादी कराते हुए ग्रामीणों को सतर्क ▶▶|शेष पेज 6 पर

हाथियों की गतिविधियों की कर रहे निगरानी

बीते 24 घंटों के भीतर हाथियों के हमले से दो लोगों की मौत की खबर से ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ तौर पर देखी जा सकती है। बताया जा रहा है कि बीती रात उक्त दंतैल हाथी ने काफी गांव में काफी उत्पात मचाया है। मुख्य बात यह है कि इस क्षेत्र में विचरण कर रहे हाथियों के दल से अलग हुए दंतैल हाथी गांव में लगातार दाखिल हो रहे हैं और फसल सहित जान माल का नुकसान कर रहे हैं।

हर वर्ष 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और संभावनाओं को दिशा देने का वैश्विक संकल्प दिवस भी है। विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह संदेश देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में होता है और उन हाथों की सबसे बड़ी शक्ति उनका कौशल ही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक युवा इसके महत्व को समझे और देश निर्माण में अपनी भूमिका को निभाए।

स्किल्ड युवाओं से संवरेगा देश-समाज का भविष्य

कवर स्टोरी / डॉ. यशोधरा भटनागर

आज जब दुनिया तीव्र तकनीकी परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वचालन, ग्रीन इकोनॉमी और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास यानी स्किल डेवलपमेंट केवल रोजगार का प्रश्न नहीं रह गया है। यह सामाजिक न्याय, आर्थिक समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सतत विकास का आधार बन चुका है। इसमें संदेह नहीं किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि उसके कुशल नागरिक होते हैं। भारत जैसे युवा देश के लिए यह तथ्य और भी महत्त्वपूर्ण है। हमारे पास विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यदि यह युवा वर्ग उचित शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल से सुसज्जित हो जाए, तो अपना देश भारत केवल जनसंख्या के आधार पर ही नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और उत्पादकता के आधार पर भी संपूर्ण विश्व का नेतृत्व कर सकता है।

विश्व युवा कौशल दिवस की पृष्ठभूमि

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया। इसका उद्देश्य युवाओं, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों, उद्योगों और नीति-निर्माताओं के बीच ऐसा संवाद स्थापित करना था, जिससे युवाओं को बदलती दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्राप्त हो सके। इस दिवस का मूल स्पष्ट संदेश है कि युवाओं को केवल शिक्षित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें दक्ष, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

कौशल का व्यापक अर्थ

कौशल यानी स्किल का अर्थ केवल किसी मशीन को चलाना या किसी तकनीक में दक्ष होना नहीं है। कौशल एक समग्र अवधारणा है, जिसमें ज्ञान, व्यवहार, दृष्टिकोण और कार्यकुशलता का संतुलित समावेश होता है। आज कौशल के अनेक आयाम उपलब्ध हैं। तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल, डिजिटल और आईटी कौशल, संचार एवं अभिव्यक्ति कौशल, नेतृत्व एवं प्रबंधन क्षमता, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक चिंतन, उद्यमिता एवं वित्तीय साक्षरता, रचनात्मकता और नवाचार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता तथा टीमवर्क। इन मानवीय गुणों के कौशल से यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो जाती है कि कौशल केवल हाथों की दक्षता नहीं, बल्कि मस्तिष्क, व्यक्तित्व और मानवीय मूल्यों का समन्वय होता है।

बदलती दुनिया में नई चुनौतियां

इक्कीसवीं सदी का रोजगार बाजार निरंतर बदल रहा है। अनेक पारंपरिक कार्य एआई और ऑटोमेशन के कारण परिवर्तित हो रहे हैं। ऐसे समय में केवल एक बार सीखा गया ज्ञान जीवन भर पर्याप्त नहीं रह सकता। आज आवश्यकता है निरंतर सीखने की। डिजिटल तकनीक, डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि-प्रौद्योगिकी और रचनात्मक उद्योग जैसे क्षेत्रों में नए अवसर लगातार विकसित हो रहे हैं। इन अवसरों का लाभ वही युवा उठा पाएगा, जो स्वयं को समय के अनुसार निरंतर अद्यतन करता रहेगा।

कौशल और आत्मनिर्भरता

कौशल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है। वह केवल नौकरी पाने की प्रतीक्षा नहीं करता, बल्कि अपने लिए नए अवसरों का निर्माण करता है। यही कारण है कि आज स्टार्टअप कल्चर, सामाजिक उद्यमिता और इनोवेशन को विशेष महत्त्व दिया जा रहा है। एक कुशल कारीगर, किसान, डिजाइनर, प्रोग्रामर, शिक्षक या तकनीशियन सभी राष्ट्रनिर्माण में समान रूप से योगदान देते हैं। किसी भी कार्य का सम्मान उसकी उपयोगिता से निर्धारित होता है, न कि उसके सामाजिक वर्गीकरण से। कौशल सम्मानजनक श्रम की संस्कृति को भी सुदृढ़ करता है।

जीवन कौशल का महत्व

तकनीकी दक्षता के साथ-साथ जीवन कौशल भी अत्यंत आवश्यक हैं। प्रभावी संवाद, समय-प्रबंधन, सहयोग, सहानुभूति, नेतृत्व, नैतिकता और तनाव-प्रबंधन ऐसे गुण हैं, जो किसी भी व्यक्ति को सफल ही नहीं, बल्कि संतुलित और जिम्मेदार नागरिक भी बनाते हैं। आज के युवा को केवल तकनीकी रूप से सक्षम नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से संवेदनशील भी होना होगा। तकनीक का उपयोग तभी सार्थक है जब वह मानवता के हित में हो।

सभी वर्गों का हो कौशल विकास

विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह भी स्मरण कराता है कि कौशल विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना समावेशी विकास की अनिवार्य शर्त है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके सपनों से नहीं, बल्कि उन सपनों को साकार करने वाले कुशल हाथों से निर्मित होता है। कौशल वह दीप है जो आत्मविश्वास को प्रकाशित करता है, श्रम को सम्मान देता है और संभावनाओं को उपलब्धियों में बदल देता है। आज आवश्यकता ऐसी पीढ़ी तैयार करने की है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ कर्मनिष्ठ, सृजनशील और उत्तरदायी भी हो। *

भविष्य के कौशल में रोजगार ही नहीं उत्तरदायित्व भी शामिल करना होगा

भविष्य के कौशलों में तकनीकी दक्षता के साथ पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व भी सम्मिलित होंगे। जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और ग्रीन इकोनॉमी की चुनौतियां ऐसे युवाओं की मांग करती हैं, जो इनोवेशन के साथ संवेदनशीलता भी रखते हों। वास्तविक कौशल वही है, जो व्यक्ति को सफल होने के साथ-साथ उपयोगी और उत्तरदायी भी बनाए। श्रम के सम्मान और उत्कृष्टता की साधना को अपना जीवन मंत्र बनाए। जब युवा अपने कौशल से आत्मविश्वास अर्जित करेंगे, तब वे केवल अपने जीवन को नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की दिशा भी बदलेंगे। विकसित भारत का स्वप्न केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि करोड़ों कुशल, सृजनशील, संवेदनशील और आत्मनिर्भर युवाओं के हाथों से साकार होगा। निश्चय ही कुशल युवाओं के हाथों में ही वह शक्ति निहित है, जो विकसित, समृद्ध, समावेशी और मानवीय भारत के स्वप्न को यथार्थ में बदल सकती है। यही विश्व युवा कौशल दिवस का सार है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प भी।

काम करने की दौड़-भाग में पीछे छूट ना जाए जिंदगी !

पैसा कमाने के लिए, जीवन में प्रगति, पद, प्रतिष्ठा के लिए काम करना तो जरूरी है। लेकिन कुछ लोगों को काम करने की लत लग जाती है। इसकी धुन में वे जिंदगी जीना ही जैसे भूल जाते हैं। इससे बचना क्यों जरूरी है, इससे कैसे बचें, आपको जरूर जानना चाहिए।

लाइफस्टाइल / वीरेंद्र बहादुर सिंह

आज की दुनिया में काम सिर्फ जरूरत नहीं, पहचान भी बन चुका है। जिस व्यक्ति के पास काम है, उसे सफल माना जाता है। सुबह से रात तक भागते लोग, मोबाइल पर झुकी आंखें, लैपटॉप पर टिके हाथ और दिमाग में लगातार घूमती डेडलाइन, यह सब आधुनिक जीवनशैली का सामान्य दृश्य बन गया है। लेकिन कई बार हमारे भीतर यह सवाल भी उठने लगता है कि क्या हम काम कर रहे हैं, या काम हमें नियंत्रित कर रहा है?

मेहनती और वर्कोहोलिक में फर्क: मन लगाकर काम करने वाला व्यक्ति मेहनती कहलाता है। लेकिन मेहनती इंसान काम के साथ आराम करता है, परिवार के साथ समय बिताता है और अपने मन को विराम भी देता है। लेकिन वर्कोहोलिक व्यक्ति के लिए काम छोड़ना आसान नहीं होता। वह खाली बैठते ही बेचैन हो जाता है। उसे लगता है कि अगर वह काम नहीं करेगा तो समय बर्बाद होगा। ऐसे लोग छुट्टी के दिन भी लैपटॉप खोलकर बैठ जाते हैं।

सफलता की चमक में भीतर का अंधेरा: यह सच है कि ज्यादा काम करने वाले लोग जल्दी सफलता पा लेते हैं। ऑफिस में उनकी छवि जिम्मेदार और कर्मठ व्यक्ति की बनती है। प्रमोशन जल्दी मिलता है, आय बढ़ती है और समाज भी ऐसे लोगों को सम्मान की नजर से देखता है। लेकिन हर चमकती चीज सुकून नहीं देती। वर्कोहोलिक व्यक्ति बाहर से सफल दिख सकता है, मगर कई बार भीतर से टूटने लगता है। रिश्तों में दूरी आने लगती है। दोस्त छूट जाते हैं। परिवार के साथ बैठने का समय नहीं बचता। धीरे-धीरे जिंदगी सिर्फ टारगेट और डेडलाइन तक सीमित हो जाती है।

शरीर-मन के लिए अहितकर: विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (आईएलओ) के अध्ययन बताते हैं कि सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करना गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, अनिद्रा और मानसिक थकान जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ये रिपोर्ट्स संकेत देती हैं कि अत्यधिक काम अब सिर्फ जीवनशैली नहीं, स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। लगातार या बिना आराम किए काम करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से भी कमजोर होने लगता है। चिंता, बेचैनी, अवसाद और चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है। कई बार इंसान को यह अहसास भी नहीं होता कि वह भीतर से टूट रहा है। वह सिर्फ यह सोचता रहता है कि थोड़ा और काम कर लूं, फिर आराम करूंगा। लेकिन ऐसा वक्त कभी नहीं आता।

रिश्तों पर पड़ता है बुरा असर: वर्कोहोलिज्म का सबसे गहरा असर रिश्तों पर पड़ता है। बच्चे पिता का इंतजार करते रहते हैं, पति-पत्नी के बीच बातचीत कम हो जाती है, दोस्तों से मुलाकातें खत्म होने लगती हैं। इससे रिश्ते भीतर से सूखने लगते हैं।

आराम है बहुत जरूरी: सच यह है कि इंसान मशीन नहीं है। शरीर को आराम चाहिए, मन को शांति चाहिए और आत्मा को अपनेपन की जरूरत होती है। अगर जिंदगी में सिर्फ काम ही बच जाए, तो उपलब्धियां भी एक दिन बोझ लगने लगती हैं। इसलिए कभी-कभी बिना किसी उद्देश्य के बैठना भी जरूरी होता है। अपने बच्चों के साथ हंसना, दोस्तों से बातें करना, किताब पढ़ना, संगीत सुनना, ये भी जिंदगी का हिस्सा हैं। जरूरत सिर्फ इतनी है कि हम अपने दिन की योजना समझदारी से बनाएं। *

कविता / कुलदीप सिंह भाटी

पिता

पिता अब तक नहीं बना पाए
अपनी माकूल जगह कविताओं में
नहीं है पिता में
आत्म-विश्वास की कोई कमी
और न ही कह सकते हैं
इसे उनकी असफलता
न ही ऐसा कि
बैठ नहीं पाते वे फिट
कविताओं में
और न ही कविताएं अक्षम हैं
बरत पाने में पिताओं को
पिता भी शायद ही सकुचाते हों
कविताओं संग आते हुए
पिता ने कविताओं को
बेटियों की तरह पाला
वे कभी-कभार क्षणांश
तब ही आ पाते हैं
आज भी कविताओं में
जब बेटियों सरीखी कविताएं
खुद दौड़ पड़ती हैं उनकी ओर
अपनी बांहों में भर लेने के लिए।

व्यंग्य / पूनम पांडे

फटकार का मौसम

हमारे लोकतंत्र में एक अद्भुत ऋतु आती है। न यह बरसात है, न बसंत, न चुनावी मौसम। इसका नाम है-फटकार ऋतु। इस ऋतु में मंत्री जी गरजते हैं, विधायक जी बरसते हैं, सांसद जी तमतमाते हैं और अधिकारी...। अधिकारी ऐसे बैठे रहते हैं, जैसे योग शिविर में अनुलोम-विलोम कर रहे हों।

जिले की समीक्षा बैठक शुरू होती है। नेता जी की त्यौरियां ऐसी चढ़ी होती हैं, मानो आज तो प्रशासन की शामत तय है। नेताजी पूछते हैं, 'यह सड़क अभी तक टूटी क्यों है?' अफसर कहते हैं, 'जी, टेंडर प्रक्रिया में है।' वे फिर पूछते हैं, 'अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं?' अधिकारी कहते हैं, 'जी, भर्ती प्रक्रिया में है।' नाराज होकर मंत्री जी पूछते हैं, 'तालाब सूखा क्यों है?' जवाब मिलता है, 'जी, वर्षा प्रक्रिया में है।' अब बेचारे बादल भी सोचते होंगे कि हमारे बरसने का ठेका भी किसी फाइल में अटक गया क्या! बैठक में जितनी बार 'प्रक्रिया' शब्द बोला जाता है, उतनी बार अगर काम हो जाए तो देश अगले सोमवार तक विकसित हो जाए।

नेता जी का गुस्सा भी बड़ा मेहनती होता है। मेज पर मुक्का मारते हैं। फाइलें कांप जाती हैं। पानी का गिलास हिल जाता है। कैमरे चौकन्ने हो जाते हैं। मगर अधिकारी? उनके चेहरे पर वही शांति, मुस्कान होती है, जो तपस्वी के चेहरे पर होती है। लगता है जैसे वे मन ही मन 'डांटाय नमः फटकाराय नमः' का जाप कर रहे हों।

अब अधिकारियों ने भी जीवन का गूढ़ दर्शन समझ लिया है। वे जानते हैं कि फटकार एक मौसमी फल है। मौसम आया, फल गिरा, मौसम गया, फल सड़ गया। बस! पहले जमाने में लोग चेचक निकलने पर प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते थे। अब सरकारी अफसर फटकार सुन-सुनकर आलोचना-प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर चुके हैं। जिस अफसर को पांच साल में सौ फटकारें पड़ जाएं, उसे तो प्रशासनिक विश्वविद्यालय से मानद उपाधि मिलनी चाहिए, डॉक्टर ऑफ फटकार मैनेजमेंट।

आपने गौर किया होगा, अधिकारी डांट खाते समय कभी बहस नहीं करते, क्योंकि उन्हें मालूम है कि डांट की भी एक्सपायरी डेट होती है। बैठक समाप्त होते ही उसका असर वैसे ही उड़ जाता है, जैसे शादी के पंडाल से मेहमान। अगले दिन अखबार की हेडलाइन आती है। 'मंत्री जी का सख्त रुख, अधिकारियों की लगाई क्लास।' जनता चाय की चुस्की लेते हुए खुश हो जाती है 'चलो, आज तो खबर ली गई।' लेकिन उधर अधिकारी भी चाय की चुस्की लेते हुए कहते हैं, 'आज की हेडलाइन ठीक है। पिछली बार वाली फोटो ज्यादा अच्छी आई थी।' कभी-कभी तो लगता है कि सरकार को 'फटकार मंत्रालय' अलग से बना देना चाहिए। वहां रोज अभ्यास हो। सुबह नौ बजे-हल्की फटकार। दोपहर बारह बजे-कड़ी फटकार। शाम पांच बजे-अत्यंत कड़ी फटकार। रात को प्रेस नोट-भविष्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह वाक्य इतना पुराना हो चुका है कि पुरातत्व विभाग चाहे तो इसे खुदाई में मिली धरोहर घोषित कर दे।

हमारे तंत्र में सबसे अद्भुत जीव अगर कोई है, जिसे किसी चिड़ियाघर में रखा जाना चाहिए, तो वह है-चिकना घड़ा अधिकारी। इस प्रजाति की विशेषता है कि डांट इस पर ऐसे फिसलती है, जैसे गरम तवे पर पानी। मंत्री जी पूछते हैं, 'काम क्यों नहीं हुआ?' उत्तर मिलता है, 'जी, प्रयास जारी है।' फिर पूछा जाता है, 'कब तक होगा?' जवाब मिलता है, 'जी, शीघ्र होगा।'

असल बीमारी यह नहीं कि कुछ अधिकारी काम नहीं करते। बीमारी यह है कि काम न करने की भी कोई कीमत उन्हें नहीं चुकानी पड़ती। जब कुर्सी पर धूल जम जाए मगर कुर्सी न हिले, तब डांट मनोरंजन बन जाती है। आखिर नेता भी क्या करें? वे हर बैठक में वही संवाद बोलते हैं। अधिकारी हर बैठक में वही उत्तर देते हैं। पत्रकार हर बैठक में वही खबर लिखते हैं। जनता हर बैठक में वही उम्मीद पालती है। लगता है पूरा प्रशासन किसी पुराने रेडियो नाटक का पुनर्प्रसारण बन गया है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

रोचक औपन्यासिक विमर्श

राजेंद्र यादव और मन्नू भंडारी के द्वारा लिखे गए उपन्यास 'एक इंच मुस्कान' को हिंदी साहित्य में अपनी तरह का अनोखा उपन्यास माना जाता है। अब से कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया उपन्यास 'फांसी' भी इसी धारा की कृति है। इसे भी दो लेखकों उद्भ्रांत और शैलेश पंडित ने मिलकर लिखा है। उपन्यास के आरंभिक सात अध्याय उद्भ्रांत ने लिखे फिर कई वर्षों के बाद अगले उन्नीस अध्याय शैलेश पंडित ने लिखकर इसे पूरा कर दिया था, पर उनके द्वारा किए गए कथांत से उद्भ्रांत संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने चार नए अध्याय लिखकर उपन्यास का अंत किया। तुलनात्मक रूप से उद्भ्रांत, शैलेश पंडित से वरिष्ठ हैं, लेकिन एक ही कथाभूमि पर दोनों ने जिस संतुलन के साथ कहानी को आगे बढ़ाया है, वह पाठक को अचरज में डाल सकता है। इसे पढ़ते हुए क्राइम थ्रिलर उपन्यास पढ़ने का भी एहसास होता है। उपन्यास के मुख्य पात्र का जीवन अनपेक्षित मोड़ों से होते हुए अपराध, जेल और फांसी के फंदे तक पहुंच जाता है। लेकिन यहीं पर आकर उपन्यास, किसी अपराधी को फांसी की सजा देने या न देने पर विमर्श का रूप लेता है। इस तरह उपन्यास का अंत न्याय प्रक्रिया में फांसी की सजा दिए जाने पर सवाल उठाता है। उपन्यास का कथा प्रवाह शुरू से अंत तक बांधे रखता है। *

किताब: फांसी (उपन्यास), **लेखक:** उद्भ्रांत-शैलेश पंडित,
मूल्य: 375 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

तारजू हमले के आतंकी कंदो के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। एजेंसी ने 2013 के तारजू (हैगाम) आतंकी हमले के मुख्य आरोपी हिजबुल मुजाहिदीन आतंकवादी इम्तियाज अहमद कंदो उर्फ फयाज उर्फ सज्जाद के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन) जारी करवा लिया है। यह नोटिस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकियों को पकड़ने का ताकतवर हथियार है। इससे दुनिया भर की पुलिस एजेंसियां आरोपी को ढूंढकर हिरासत में ले सकेंगी। भारत को प्रत्यर्पण (एक्सट्राडिशन) के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर सकेंगी। यह सफलता एसआईए की मेहनत और पेशेवर जांच का नतीजा है।

यह नोटिस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकियों को पकड़ने का है ताकतवर हथियार

कश्मीर एसआईए को मिली बड़ी सफलता

पुलिस पार्टी पर हुआ था हमला, 4 जवान हुए थे शहीद

26 अप्रैल 2013 को सोपोर के हैगाम के पीर मोहल्ला में आतंकियों ने पुलिस पार्टी पर अचानक हमला कर दिया। आतंकवादी ऑटोमैटिक हथियारों से लैस थे। इस हमले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के चार जवान शहीद हो गए। यह उस समय सुरक्षा बलों पर हुए सबसे गंभीर आतंकी हमलों में से एक था। मामला शुरू में तारजू पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था। साल 2024 में इसे एसआईए कश्मीर को ट्रांसफर कर दिया गया। एसआईए ने मामले की गहन जांच की, सबूत इकट्ठा किए, गवाहों से पूछताछ की और पूरी साजिश को उजागर किया। जुलाई 2024 में एजेंसी ने कोर्ट में विस्तृत चार्जशीट दाखिल की।

आरोपियों की स्थिति और मुख्य आरोपी का रोल

जांच के दौरान और सुरक्षा अभियानों में दो आरोपी तारिक अहमद मीर और कय्यूम नजार एनकाउंटर में मारे गए। तीन आरोपी जाविद अहमद मट्टू, रऊफ नजार और अहमदुल्लाह मल्ला गिरफ्तार हैं। उन पर मुकदमा चल रहा है। मुख्य आरोपी इम्तियाज अहमद कंदो फरार है और माना जाता है कि वह पाकिस्तान चला गया है।

रेड कॉर्नर नोटिस का महत्व और काम करने का तरीका

इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग का सबसे गंभीर साधन है। यह नोटिस जारी होने के बाद दुनिया भर की पुलिस एजेंसियां आरोपी की तलाश करेंगी, उसे हिरासत में ले सकेंगी। कानूनी प्रक्रिया के तहत भारत को सौंपने की कोशिश करेंगी। एसआईए की इस सफलता से पता चलता है कि एजेंसी अब जटिल आतंकी मामलों की जांच करने, पुराने मामलों को निष्कर्ष तक पहुंचाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फरारियों का पीछा करने में सक्षम हो गई है। यह कदम दिखाता है कि भारत आतंकियों को चाहे वह कहीं भी छिपे, उनके पीछे नहीं छोड़ेगा।

हिजबुल का सक्रिय कमांडर

कंदो सोपोर के क्रालतांग का रहने वाला है। वह 2010 से हिजबुल मुजाहिदीन का सक्रिय सदस्य और कमांडर रहा है। अक्टूबर 2022 में भारत सरकार ने उसे डिजाइनेटेड इंडिविजुअल टेररिस्ट घोषित किया था। जांच में साबित हुआ कि तारजू हमले में उसकी मुख्य भूमिका थी। इसके अलावा वह कम से कम दस अन्य आतंकी मामलों में भी वांछित है, जिनमें 15 से ज्यादा लोगों की हत्या, हथियारों की तस्करी और नारको-टेरर फाइनेंसिंग शामिल हैं।

सुरक्षा बलों का बढ़ेगा मनोबल

एसआईए कश्मीर ने सबूतों के आधार पर नए अपराध जोड़कर केस को मजबूत किया। यह एजेंसी का पेशेवर तरीका है जो आतंक के पूरे नेटवर्क को तोड़ने पर जोर देती है। कंदो जैसे आतंकियों को पाकिस्तान से समर्थन मिलता है, लेकिन अब इंटरपोल नोटिस से उसकी आवाजाही सीमित हो जाएगी। यह कार्रवाई कश्मीर में आतंकवाद के ढांचे को कमजोर करने, सपोर्ट नेटवर्क को तोड़ने और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे पुलिस और सुरक्षा बलों का मनोबल भी बढ़ेगा।

आतंकवाद विरोधी प्रयासों को मिलेगी ताकत

कश्मीर में आतंकवाद लंबे समय से समस्या रहा है। एसआईए की यह उपलब्धि दिखाती है कि कानूनी और अंतरराष्ट्रीय रास्तों से भी आतंकियों पर दबाव बनाया जा सकता है। पुराने मामलों को दोबारा खोलकर जांच करना और फरारियों को ट्रैक करना अब प्राथमिकता बन गया है। भारत सरकार की आतंकवाद विरोधी नीति का यह हिस्सा है, जिसमें स्थानीय एजेंसियों को मजबूत किया जा रहा है। अगर कंदो पकड़ा गया तो कई पुराने मामलों में न्याय मिल सकेगा, जो शहीदों के परिवारों को राहत देगा। रेड कॉर्नर नोटिस जारी हो गया है, लेकिन पाकिस्तान जैसे देशों से प्रत्यर्पण आसान नहीं होता। फिर भी यह नोटिस अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाता है। आतंकी की जिंदगी मुश्किल कर देता है। एसआईए को आगे भी सबूत मजबूत रखने, गवाहों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। यह सफलता अन्य पुराने मामलों में भी इसी तरह की कार्रवाई के लिए प्रेरणा बनेगी।

खबर संक्षेप

1.7 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न अब तक फाइल

नई दिल्ली। इनकम टैक्स विभाग ने शनिवार को बताया कि 2025-26 फाइनेंशियल ईयर के लिए अब तक 1.7 करोड़ से ज्यादा इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किए जा चुके हैं। 2025-26 फाइनेंशियल ईयर में हुई कमाई के लिए आईटीआर 1 और 2 फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। विभाग ने 'एक्स' पर कहा, 1.7 करोड़ से ज़्यादा टैक्सपेयर्स ने समझदारी भरा कदम उठाते हुए एवाय 2026-27 के लिए अपने आईटीआर फाइल कर दिए हैं।' इनमें से 10 लाख से ज्यादा रिटर्न शुक्रवार को फाइल किए गए। आईटीआर फॉर्म 1 (सहज) एक आसान फॉर्म है जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम टैक्सपेयर्स की जरूरतों को पूरा करता है।

प्रदर्शन की नहीं दी जा रही अनुमति : उमर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया है कि 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग को लेकर होने वाले प्रदर्शन के लिए उनकी पार्टी को अब तक अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर इस कार्यक्रम को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं। बैठक को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस कई दिनों से प्रदर्शन की अनुमति लेने का प्रयास कर रही है, लेकिन अब तक मंजूरी नहीं मिली है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाना नेशनल कॉन्फ्रेंस की प्रमुख मांग रही है।

कार की ट्रक से टक्कर 4 की मौत, 4 घायल

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले में शनिवार सुबह सड़क हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। 4 अन्य घायल हो गए। हादसा माजेवाड़ी गांव के पास उस समय हुआ, जब बनासकांठा जिले का परिवार एक रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित करने के लिए सोमनाथ जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में चार अन्य लोग घायल हुए हैं। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की वजह पता नहीं चली है।

दतिया में जमकर हंगामा, प्रत्याशी बदलने की मांग को लेकर झांसी हाईवे जाम

नरोत्तम का टिकट कटने पर समर्थकों का फूटा गुस्सा, लगी इस्तीफों की झड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को तगड़ा झटका देते हुए आशुतोष तिवारी को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। टिकट की घोषणा होते ही दतिया की राजनीति गरमा गई है और नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों में भारी नाराजगी फैल गई है। पार्टी के फैसले के विरोध में भाजपा संगठन व पार्षदों में जहां इस्तीफों की झड़ी लग गई है, वहीं प्रत्याशी बदलने की मांग को लेकर कार्यकर्ताओं ने हाईवे जाम करने से लेकर बाजार बंद कराने जैसे कदम भी उठाए हैं।

पार्टी के फैसले को एकतरफा और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा करने वाला बताते हुए भाजपा दतिया के जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह कुशवाहा ने अपने पदाधिकारियों के साथ सामूहिक इस्तीफा दे दिया। साथ ही उन्होंने पार्टी को चेतावनी भी दी कि अगर 24 घंटे के अंदर नरोत्तम मिश्रा को प्रत्याशी नहीं बनाया गया तो वह पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे देंगे और पूरी ताकत से पार्टी के फैसले का विरोध करेंगे।

उधर दतिया जिला अध्यक्ष ने तो अपने कई पदाधिकारियों और दतिया व बड़ौनी के समस्त पार्षदों के साथ त्यागपत्र दे दिया। कार्यकर्ताओं ने भाजपा मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय व प्रदेश अध्यक्ष को भेजे अपने इस्तीफे में कुशवाहा ने बताया कि वह अपने समस्त पदाधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, नगर पालिका दतिया के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, बड़ौनी पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, दतिया विधानसभा के 6 मण्डलों के अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष, दतिया व बड़ौनी के समस्त पार्षदों तथा दतिया विधानसभा की 291 यूथों के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के साथ सामूहिक रूप से इस्तीफा दे रहे हैं।

कार्यकर्ताओं ने ही लगाए भाजपा मुर्दाबाद के नारे

30 जुलाई को मतदान और 3 अगस्त को होगी मतगणना

कार्यकर्ता रखें संयम : मिश्रा

मध्य प्रदेश के दतिया में टिकट मिलने के बाद भड़की बगावत की आग के बीच बीजेपी के कद्दावर नेता नरोत्तम मिश्रा ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि वे संगठन के निर्णय के साथ खड़े हैं. दतिया में चल रहे चक्काजाम, तोड़फोड़ और पेट्रोल-मिट्टी का तेल डालकर आत्मदाह की कोशिशों के विजुअल्स पर चिंता जताते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा, 'पार्टी का जो भी फैसला होता है, वो हमेशा ठीक ही होता है। उसे अच्छे रूप में ही लेना चाहिए, खराब रूप में नहीं लेना चाहिए, ऐसी मेरी मान्यता है। यह समय हमारे धैर्य और संयम की परीक्षा की घड़ी है। पार्टी फोरम पर अपनी बात रखने का एक तय तरीका होता है, कार्यकर्ताओं को वही तरीका अपनाना चाहिए और पूरी तरह अनुशासित रहना चाहिए।

25 किलोमीटर लगा लंबा जाम

उधर टिकट की घोषणा होने के बाद मिश्रा के समर्थक और स्थानीय व्यापारी भी सड़क पर उतर आए। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने झांसी हाईवे पर चक्का जाम कर दिया, जिससे 25 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। दौरान ट्रकों और गाड़ियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी की और चेतावनी दी कि यदि फैसला वापस नहीं लिया गया तो भोपाल पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। कई व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखकर भी नाराजगी जताई।

मिश्रा की जगह दिया है तिवारी को टिकट

भाजपा ने नरोत्तम का टिकट काटकर जिन आशुतोष तिवारी पर भरोसा जताया है, वे लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहे हैं। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने सेंवढ़ा सीट से टिकट की दावेदारी की थी, लेकिन तब पार्टी ने प्रदीप अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया था। आशुतोष तिवारी भाजपा के संभागीय संगठन मंत्री रह चुके हैं और मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन (कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त) भी रह चुके हैं।

30 जुलाई को होना है मतदान

बता दें कि निर्वाचन प्रक्रिया के तहत अब तक 13 उम्मीदवारों ने नामांकन फॉर्म खरीदे हैं, जबकि 4 उम्मीदवार अपने नामांकन दाखिल कर चुके हैं। दतिया में विधानसभा उपचुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू है। यहां 30 जुलाई को मतदान होना है और 3 अगस्त को मतगणना होगी। भाजपा ने अपने प्रत्याशी का ऐलान कर दिया है, जबकि कांग्रेस ने अपने पत्ते अभी नहीं खोले हैं।

बांग्लादेश में जम्मू-कश्मीर का दिखाया गलत नक्शा

भारतीय महिला अधिकारी ने बीच कार्यक्रम में टोका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शुक्रवार को आयोजित एक सेमिनार के दौरान जम्मू-कश्मीर का गलत नक्शा दिखाए जाने पर भारतीय उच्चायोग की अधिकारी ने बीच कार्यक्रम में ही आपत्ति जताई।

यह मामला तब सामने आया, जब बांग्लादेश के पूर्व उच्चायुक्त अहमद तारिक करीम सार्क पर प्रस्तुति दे रहे थे। प्रेजेंटेशन में जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया। इस पर भारतीय उच्चायोग में सेकंड सेक्रेटरी पूजा कुमारी झा ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए कहा, 'यह गलत नक्शा है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है।'

बांग्लादेश ने दी सफाई

करीम ने सफाई देते हुए कहा कि नक्शा सिर्फ प्रेजेंटेशन के लिए इस्तेमाल किया गया था और यह वास्तविक सीमाएं नहीं दिखाता। हालांकि पूजा झा ने दोबारा भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर को इस तरह दिखाना गलत है। इसके बाद करीम ने भारत की आपत्ति स्वीकार करते हुए कहा, 'आपकी बात दर्ज कर ली गई है।' यह घटना ढाका में सार्क पर आयोजित एक सेमिनार के दौरान हुई, जिसमें बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद भी मौजूद थीं। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो हुआ वायरल

झा और करीम के बीच हुई इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। कई भारतीय यूजर्स ने झा की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बिना देर किए गलत नक्शे पर आपत्ति जताकर भारत का पक्ष मजबूती से रखा। इस सेमिनार में बांग्लादेश की विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थीं। उन्होंने अपने भाषण में दक्षिण एशिया में आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया और सार्क को फिर सक्रिय करने के लिए कई सुझाव दिए।

गडकरी को खुद भाजपा कर रही बदनाम : राउत

मुंबई। शिवसेना यूबीटी संजय राउत ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। संजय राउत का कहना है कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की छवि को उनकी खुद की भारतीय जनता पार्टी नुकसान पहुंचाना चाहती है क्योंकि गडकरी देश के अगले प्रधानमंत्री बनने के लिए एक मजबूत दावेदार हैं।

राउत ने ये भी कहा कि नितिन गडकरी को बदनाम करने के पीछे कोई बाहरी ताकत नहीं हैं बल्कि खुद भाजपा के ही कुछ बड़े नेता शामिल हैं। वहीं, संजय राउत ने पत्रकारों से भी बातचीत की। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि गडकरी को लेकर जनता के बीच जो भ्रम फैलाया जा रहा है, उसके पीछे उनकी अपनी ही भाजपा पार्टी के लोग शामिल हैं, जो उनकी छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। राउत ने ये भी कहा कि 'गडकरी साहब को लेकर जो भ्रम फैला है, उसमें उनकी ही पार्टी के लोगों का हाथ है। नितिन गडकरी को बदनाम करने में और कोई नहीं बल्कि भाजपा के ही लोग हैं, वे उन्हें किसी न किसी तरह से एक जाल में फंसाना चाहते हैं।' वहीं, पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने अतीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 2014 से पहले भी जब गडकरी को पार्टी अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल देने की चर्चा चल रही थी।

स्वदेशी मिसाइल-सेंसर से लैस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत में निर्मित स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को नौसेना में शामिल कर लिया गया। यह नौसेना के 17ए नीलगिरि प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इसे विशाखापत्तनम डॉकयार्ड में कमीशन किया गया है।

कमीशनिंग कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि यह एक ब्लू वाटर शिप है, जो केवल तट के पास ही नहीं, बल्कि हफ्तों तक गहरे महासागरों में रहकर भारत के समुद्री हितों की रक्षा कर सकता है।

आईएनएस महेंद्रगिरि का नाम ईस्टर्न घाट (पूर्वी घाट) में स्थित महेंद्रगिरि पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है। इसे सामर्थ्य और अटूट संकल्प का प्रतीक माना जाता है। इस युद्धपोत से एक गौरवशाली विरासत का निर्माण होने और भारत के समुद्री इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने की उम्मीद है।

विमान क्रैश, सभी 10 यात्रियों की मौत

नार्थ एंड्रोस। बहामास के नॉर्थ एंड्रोस इलाके में शुक्रवार को फ्लेमिंगो एयर का एक छोटा यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एक यात्री को जिंदा निकाला गया था, लेकिन बाद में उसने भी दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच के मुताबिक, सेना 402C विमान ने राजधानी नासाउ से उड़ान भरी थी।

टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान
(यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अंतर्गत मानित विश्वविद्यालय)
(भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन अनुदान प्राप्त संस्थान)
वी.एन. पुरव मार्ग, देवनार, मुंबई 400088

शैक्षणिक वर्ष 2026-2027 के लिए प्रवेश सूचना

टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (TISS) शैक्षणिक वर्ष 2026-2027 के लिए पूर्णकालिक (नियमित) स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा करता है। प्रवेश CUET-UG स्कोर 2026 के आधार पर होगा।

TISS के स्नातक कार्यक्रमों में आवेदन हेतु पात्रता मानदंड एवं अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाईट https://admissions.tiss.ac.in/admissions/ba/programmes/ देखें।

प्रवेश से संबंधित किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की जानकारी/सहायता के लिए कृपया admissionsinfo@tiss.ac.in पर संपर्क करें या प्रवेश हेल्पलाईन 022-25525252 पर काल करें।

आवेदन की अंतिम तिथि: 17.7.2026
CBC 21323/11/0002/2627 कुलसचिव

पत्नी-बच्चों, फिर पीड़ित और उसके परिवार को मार डाला पीड़िता

रेप के आरोपी ने जमानत मिलते ही कर दीं 6 हत्याएं

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में नाबालिग से रेप के एक आरोपी ने शुक्रवार रात जमानत पर बाहर आते ही 6 हत्याएं कर दीं।

पहले उसने अपनी 30 साल की पत्नी, 4 साल और 18 महीने के दो बेटों की हत्या की। इसके बाद वह करीब 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा। जहां उसने 17 साल की रेप पीड़ित , उसकी मां और नानी को भी मार दिया। लड़की ने 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी राजकुमार के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था।

तेलंगाना की घटना

पहले ही मारने की धमकी दी थी

लड़की के मामा नरेश ने बताया, उसने मेरी चाची और भांजी की हत्या कर दी। उसने पहले भी लड़की को परेशान किया था और उस पर पाक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया। उसने धमकी दी थी वह एक-दो हफ्ते में पूरे परिवार को मार डालेगा।

परिजनों का आरोप

परिजनों ने कहा, घटना के 20 दिन बाद हमने पुलिस को फिर से बताया कि वह घूम रहा है और कह रहा है कि वह लड़की को मार डालेगा। उन्होंने कहा कि वे उसे ढूंढ रहे हैं। मामला दर्ज होने के सिर्फ दो दिन बाद ही वह जमानत पर बाहर आ गया था। उसने रिश्वत दी थी और मामला दबा दिया गया।

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

▶ चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

▶ निवेशकों को सोने में 2 से 3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपये की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं। यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

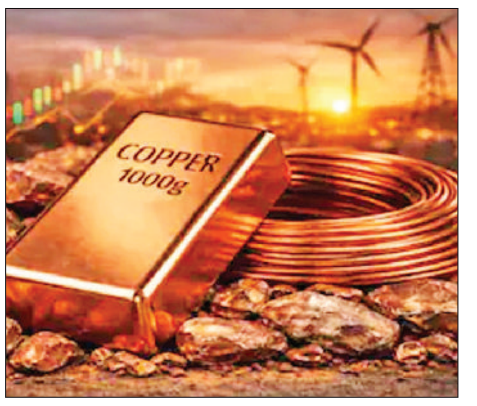

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें

- गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है। शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।

-बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

आयोगों का ऐसा हाल, किसी का कोर्ट सालभर से सूना पड़ा, कहीं कोर्ट लगने के बाद भी सैकड़ों प्रकरण लंबित

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

छत्तीसगढ़ में अलग-अलग जाति समुदाय लोगों के अधिकारों के हनन, भूमि अधिकारों के उल्लंघन, अत्याचार या भेदभाव से जुड़ी विशिष्ट शिकायतों की जांच कर उन्हें न्याय दिलाने के उद्देश्य से अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक आयोग, महिला आयोग सहित अन्य कई आयोग का गठन किया गया है। इन आयोगों का हाल ऐसा है कि एक आयोग का कोर्ट सालभर से सूना पड़ा हुआ है। इस आयोग में शिकायतें तो आती हैं, लेकिन सुनवाई नहीं होती। इसके अलावा कई आयोग में कोर्ट लगता है, सुनवाई भी होती है, लेकिन शिकायतों की जांच, सुनवाई कर न्याय देने में कई महीने-साल लगा दिए जाते हैं, जिसके कारण आवेदक भी आयोग के चक्कर लगा-लगाकर थक हारकर न्याय की आस ही छोड़ बैठते हैं। यही कारण है कि कई आयोग में लंबित प्रकरणों की संख्या भी सैकड़ों में है।

छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के गठन का उद्देश्य मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, पारसी और जैन समुदायों के अल्पसंख्यक हितों की रक्षा, संरक्षण करने के साथ उनके अधिकारों के हनन और उनके साथ भेदभाव सहित अन्य मामलों की जांच कर उन्हें न्याय दिलाना है। राजधानी रायपुर के पुराना मंत्रालय भवन के पास स्थित अल्पसंख्यक आयोग का मुख्य दफ्तर भी है, जहां आवेदकों की शिकायतों से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई के लिए कोर्ट भी बना हुआ है, लेकिन पिछले सालभर से इस कोर्ट का दरवाजा तक खोला नहीं गया है। इसका कारण आयोग में सदस्यों की नियुक्ति नहीं किया जाना बताया गया है। आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि जब से उन्होंने आयोग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है, तब से सदस्यों की नियुक्ति नहीं हुई है। इसके कारण वे कोर्ट में सुनवाई भी नहीं कर पा रहे हैं।

आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि कोर्ट में सुनवाई नहीं करने के बाद भी प्राप्त आवेदनों से संबंधित प्रकरणों के निराकरण किए जा रहे हैं। इसके लिए प्रकरणों को संबंधित विभागों को भेजकर जांच प्रतिवेदन मांगे जाते हैं। इन जांच प्रतिवेदनों पर शिकायकर्ताओं से उनका अभिमत मांगा जाता है। इसके बाद ही प्रकरणों का निराकरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि सालभर में लगभग 20 शिकायतें आई हैं, इन सभी शिकायतों को जांच के लिए भेजा गया है, जिनमें कुछ में जांच प्रतिवेदन भी आ चुके हैं। छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग में भी इसी प्रकार एक हजार से अधिक प्रकरण लंबित हैं। इनमें कई प्रकरण तो सालों से लंबित हैं, जिनमें शिकायतकर्ताओं को अब तक न्याय नहीं मिल पाया है। हालांकि आयोग में कई महीनों तक अध्यक्ष की नियुक्ति ही नहीं हो पाई थी। आयोग के सचिव ही प्रकरणों की सुनवाई कर रहे थे।

अल्पसंख्यक आयोग का कोर्ट सालभर से सूना, अनुसूचित जाति आयोग में भी 150 से अधिक प्रकरण लंबित

आयोग सूत्र के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग में भी लगभग 150 प्रकरण लंबित हैं। इन प्रकरणों में कई प्रकरण में सुनवाई भी हो रही है, लेकिन कुछ ऐसे भी प्रकरण हैं, जो पिछले कई साल से लंबित हैं। शिकायत करने वाले आवेदकों को अब तक न्याय नहीं मिला है।

ओबीसी आयोग में भी 50 से अधिक प्रकरण लंबित

छत्तीसगढ़ राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग में भी इसी प्रकार 50 से अधिक प्रकरण लंबित हैं। इनमें लगभग आधा दर्जन प्रकरण ढाई वर्ष पूर्व के भी हैं, वहीं 30 से अधिक प्रकरण डेढ़ वर्ष से लंबित हैं। इसके अलावा चालू वर्ष के भी 15 से अधिक प्रकरण हैं। इनमें ज्यादातर प्रकरणों में सुनवाई हो चुकी है, लेकिन आवेदकों को न्याय अब तक नहीं मिल पाया है।

महिला आयोग में भी एक हजार से अधिक लंबित

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के सूत्र के अनुसार उनके आयोग में भी एक हजार से अधिक प्रकरण लंबित हैं। हालांकि अन्य आयोगों की तुलना में महिला आयोग में प्रकरणों के निराकरण तेज गति से किए जा रहे हैं। इनमें नए प्रकरणों की संख्या ज्यादा है। कई साल पुराने प्रकरणों में नियमित सुनवाई नहीं होने एवं जांच की कार्यवाही धीमी होने के कारण निराकरण नहीं किए जा सके हैं।

नगरीय प्रशासन विभाग में 122 अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले

रायपुर। राज्य शासन ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के 122 अधिकारियों-कर्मचारियों की नवीन पदस्थापना की है। इनमें 66 अभियंता और 56 विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी हैं। स्थानांतरित अधिकारियों-कर्मचारियों में कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता, प्रोग्रामर, राजस्व निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक से लेकर सहायक कार्यालय अधीक्षक, तकनीकी सहायक, लेखापाल, सहायक ग्रेड-2, सहायक ग्रेड-3, डॉटा एंट्री ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, सहायक राजस्व निरीक्षक, समयपाल, कैशियर, वाहन चालक, चौकीदार, पंप अटेंडेंट और भृत्य शामिल हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने स्थानांतरित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को नवीन पदस्थापना स्थल पर 7 दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण कर विभाग को सूचित करने के निर्देश दिए हैं। समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर वर्तमान स्थान से वेतन आहरित नहीं होगा। इसके उल्लंघन पर नियंत्रण अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.
LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD
प्रथम तल, भारतीय जीवन बीमा निगम, मंडल कार्यालय, मगरपारा रोड, बिलासपुर - 495001 (छ.ग.) फ़ोन: 07752-418136

परिशिष्ट– IV नियम 8 (1) आधिपत्य सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरी एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि. का अधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय अस्थियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (12) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित ऋणधारियों का ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋण ग्रहित राशि का भुगतान करने में असफल रहा है अतः ऋण ग्रहित और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम (8) के साथ पढ़ा जाये एतस्मिन नीचे वर्णित संपत्ति का आधिपत्य को ग्रहण कर लिया गया है। ऋण ग्रहित को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्नवर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये निम्न खाते के सामने अंकित एलआईसी हाऊसिंग लि. बिलासपुर प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	खातेदार का नाम	संपत्ति विवरण	मांग सूचना / कब्जा तिथि	उल्लेखित राशि मांग सूचना पत्र में
1)	उधारकर्ता- श्रीमती रिया राजपाल एवं सह-उधारकर्ता- श्री गुरुचरण सिंह राजपाल, ऋण खाता संख्या 120200002259 एवं 120200005419	खसरा नंबर 417/20 (भाग), प.ह. नंबर 22, मौज़ा जूना बिलासपुर, मोहल्ला लाला कश्यप कॉलोनी, वार्ड नंबर 25, संत रविदास नगर वार्ड, विकास खंड बिल्हा, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) 495001 में क्षेत्रफल 700 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति का समस्त भाग तथा अंश। सीमाएँ: उत्तर – विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण– ओम प्रकाश का मकान, पूर्व – अन्य का मकान, पश्चिम – सड़क।	17.04.2026 / 07.07.2026	रू 21,62,290.00 + ब्याज व अन्य खर्चे

वैधानिक सूचना: ऋणी एवं जमानतदार को सूचित किया जाता है कि इस नोटिस के छपने की तारीख के 30 दिनों के अंदर, वे उपरोक्त राशि एवं उस पर देय ब्याज एवं खर्चों का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित संपत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्चे सहित ऋणी एवं जमानतदारों से की जावेगी।

दिनांक: 12.07.2026, स्थान: बिलासपुर प्राधिकृत अधिकारी

किसी लोक सूचना अधिकारी पर जुर्माना लगाने से पहले सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य- हाईकोर्ट

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत किसी लोक सूचना अधिकारी पर जुर्माना लगाने से पहले राज्य सूचना आयोग के लिए धारा 20(1) के तहत अलग से नोटिस जारी करना और सुनवाई का उचित अवसर देना अनिवार्य है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अपील की कार्यवाही के दौरान जारी नोटिस को अंतिम नोटिस मानकर सीधे जुर्माना नहीं लगाया जा सकता।

■ सूचना का अधिकार अधिनियम में धारा 20(1) के तहत अलग से नोटिस जारी करना जरूरी

जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद एक लोक सूचना अधिकारी की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। याचिका में छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसके तहत उन पर आरटीआई एक्ट की धारा 20(1) के तहत जुर्माना लगाया गया और धारा 20(2) के तहत विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की गई। मामले में आवेदक ने कौशल विकास योजना के तहत खरीदी गई अनुपयोगी सामग्री की नीलामी या निस्तारण से जुड़ी जानकारी मांगी थी। लोक सूचना अधिकारी ने जवाब दिया कि मांगी गई सूचना अत्यधिक विस्तृत है और पर्याप्त रूप से स्पष्ट नहीं है। बाद में प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने 15 दिनों के भीतर निशुल्क सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बावजूद आवेदक ने राज्य सूचना आयोग में दूसरी अपील दायर कर दी, जिसके बाद आयोग ने लोक सूचना अधिकारी पर जुर्माना लगा दिया।

प्रक्रिया का पालन करने के लिए सभी बाध्य

याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि जुर्माना लगाने से पहले धारा 20(1) के तहत कोई पृथक नोटिस जारी नहीं किया गया। आयोग ने दूसरी अपील के दौरान जारी नोटिस को ही अंतिम नोटिस मान लिया, जबकि ऐसा करना कानून के अनुरूप नहीं है। वहीं, राज्य सूचना आयोग और सूचना मांगने वाले पक्ष का कहना था कि जब अपील की कार्यवाही के दौरान पहले ही नोटिस दिया जा चुका था और लोक सूचना अधिकारी ने प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के आदेश का पालन नहीं किया, तो अलग से नोटिस देने की आवश्यकता नहीं थी। हाईकोर्ट ने आरटीआई की धारा 20(1) का परीक्षण करते हुए कहा कि इस प्रावधान के तहत किसी लोक सूचना अधिकारी पर जुर्माना लगाने से पहले उसे पर्याप्त सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य है। यदि कानून किसी कार्य के लिए विशेष प्रक्रिया निर्धारित करता है, तो संबंधित प्राधिकरण उसी प्रक्रिया का अक्षरशः पालन करने के लिए बाध्य है। अदालत ने पाया कि राज्य सूचना आयोग ने स्वयं अपने आदेश में कहा था कि दूसरी अपील के दौरान जारी नोटिस को ही एक्ट की धारा 20(1) के तहत अंतिम नोटिस माना जाएगा। हाईकोर्ट ने इसे कानून के विपरीत बताया।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर प्रदेश कांग्रेस विधायक दल की बैठक रविवार को शाम 5 बजे नेता प्रतिपक्ष निवास कार्यालय में आहूत की गई है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बैठक में मानसून सत्र को लेकर रणनीति बनेगी।

एक साल में तीन बार ट्रांसफर शासन को नोटिस

बिलासपुर। एक साल में तीन बार किए गए तबादले के खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने शासन को नोटिस जारी किया है। याचिका के मुताबिक याचिकाकर्ता जय गोविंद वर्तमान में जनपद पंचायत सीतापुर, जिला सरगुजा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर कार्यरत है। याचिका में कहा गया है कि उन्हें जनपद पंचायत मनोरा, जिला जशपुर में स्थानांतरित किया गया है। साथ ही कहा गया है कि याचिकाकर्ता को एक वर्ष के अल्पकाल में तीन बार स्थानांतरण का सामना करना पड़ रहा है और वह भी बिना किसी प्रशासनिक आवश्यकता के। कोर्ट को यह भी बताया गया कि 18 जून 2025 को अंबिकापुर से प्रतापपुर और फिर 18 सितंबर 2025 को प्रतापपुर से सीतापुर स्थानांतरण के मात्र नौ महीने बाद पुनः स्थानांतरण किया गया है। यह आदेश राज्य स्थानांतरण नीति के विपरीत है। याचिकाकर्ता की ओर से मामले में एडवोकेट उमेश पांडे ने पैरवी की। कोर्ट ने शासन को जवाब के लिए तीन सप्ताह का समय दिया गया है।

खरीफ बोनी ने पकड़ी रफ्तार, फिर भी कई जिलों में लक्ष्य से पीछे खेती

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों की अच्छी बारिश के बाद खरीफ फसलों की बोनी में तेजी आई है। हालांकि मानसून की शुरुआती सुस्ती का असर अब भी कई जिलों में दिखाई दे रहा है और धान की रोपाई व अन्य खरीफ फसलों की बुवाई लक्ष्य से पीछे चल रही है। राज्य में सर्वाधिक बोनी धान की हो रही है, जबकि मक्का, दलहन और तिलहन की बुवाई भी तेज हुई है। कृषि विभाग का मानना है कि अगले एक सप्ताह तक अच्छी बारिश जारी रही, तो बोनी का रकबा तेजी से बढ़ेगा और अधिकतर जिले लक्ष्य के करीब पहुंच जाएंगे।

मानसून की देर और शुरुआती बारिश की कमी के कारण सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, जशपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कबीरधाम, बेमेतरा, राजनांदगांव तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जैसे जिलों में बोनी अपेक्षाकृत पिछड़ी हुई है। इन क्षेत्रों में किसान पर्याप्त वर्षा का इंतजार कर रहे हैं।

Home First Finance Company India Limited
homefirst We'll take you home
CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

परिशिष्ट-IV-A [नियम 8 (6) के परंतुक देखें] अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के अधीन अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्द्वारा आम जनता और विशेष रूप से कॉलम (ii) में वर्णित ऋणधारक(ओं) और सह-ऋणधारक(ओं) को सूचित किया जाता है कि कॉलम (iii) में वर्णित नीचे वर्णित अचल संपत्तियां सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/बंधक हैं, जिनका भौतिक कब्जा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार देय राशि और ब्याज की वसूली के लिए ले लिया गया है, और चूंकि देय राशि का भुगतान करने में विफल रहने के परिणामस्वरूप, उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त संपत्ति/संपत्तियों की बिक्री द्वारा देय राशि की वसूली का प्रस्ताव करता है और इसे ''जैसा है जहां है'', ''जैसा है वैसा ही'' और ''जो कुछ भी है'' के आधार पर बेचा जाएगा, जैसा कि वर्णित है। इसके अंतर्गत, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को कॉलम (i) के अनुसार उधारकर्ता (ओं) और सह-उधारकर्ता (ओं) से देय राशि की वसूली के लिए नीलामी ''ऑनलाइन'' आयोजित की जाएगी।

क्र सं.	ऋणधारक(ओं) एवं सह-ऋणधारक(ओं) के नाम	संपत्ति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना राशि	कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि और समय	ईएमडी और दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि और समय	अधिकृत अधिकारी का नंबर
1.	अशोक वस्त्रकार, अमेरिका वस्त्रकार	फ्लैट-मौजा सैदा, प्लॉट नंबर 8/1, ख.नं.37/119 भाग, मौजा-सैदा, म.नं. 07, प.ह.नं..41, रा.नि.मं.-अमसेना, तह. सकरी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-निस्तारी सड़क, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि	05-04-2026	12,48,189	06-06-2026	3,75,000	37,500	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
2.	गणेश कुमार पटेल, अंजलि पटेल	प्लॉट- प.ह.नं..-24/41, मौजा सईदा, खसरा नंबर 250/13 भाग, प.ह.नं.41 आरएनएम सकरी मौजा सईदा, तहसील सकरी और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-20 फीट निस्तारी रोड, पश्चिम-बिमला बाई की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि	05-04-2026	6,38,001	06-06-2026	47,334	4,733	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
3.	व्यास अहिरवार, रजनी अहिरवार	प्लॉट-मौजा तिलसरा, ख.नं.519/20, मौजा तिलसरा, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. बिल्हा, ब्लॉक व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व- खिलावन सूर्यवंशी का प्लॉट, पश्चिम-रास्ता, उत्तर-जमुना प्रसाद, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	05-03-2026	7,77,258	06-05-2026	50,600	5,060	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
4.	मंगलू साहू, रूपा साहू	मकान-मौजा कोटा, ख.नं. -957/10 प.ह.नं. क्रमांक-5, मौजा-कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-निस्तारी रोड, उत्तर-राहुल गौड़ की भूमि, दक्षिण-राजेश की भूमि।	05-03-2026	5,35,017	06-05-2026	51,650	5,165	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
5.	मनोज कुमार जांगड़े, अमरौतिन जांगड़े	फ्लैट-मौजा सैदा ख.नं.37/61 प.ह.नं. 41 तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग. बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-02-2026	11,99,675	07-04-2026	1,87,500	18,750	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
6.	सोनू कुमार साहू, चांदनी साहू	ख .नं.-37/62 भाग, मौजा सैदा, महाल नं.7, प.ह.नं.41, रा.नि.मं.- अमसेना, तह.- सकरी, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट, ।	03-02-2026	11,48,005	07-04-2026	1,50,000	15,000	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
7.	दिनेश कुमार भारद्वाज, रेखा बाई भारद्वाज	ख.नं. 2318/8, एवं 2318/14, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पूर्व- पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- विक्रेता का प्लॉट।	04-12-2025	12,89,539	05-02-2026	88,000	8,800	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
8.	बी.लक्ष्मण, बी गंगा	ख.नं.-37/62 भाग, प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, महाल नंबर 7, तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग., बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	04-12-2025	9,85,603	05-02-2026	1,48,000	14,800	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
9.	आदित्य श्रीवास, प्रभा श्रीवास	ख.नं. 519/20, मौजा तिलसरा, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. बिल्हा, ब्लॉक और तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ - 495001 चौहद्दी: उत्तर - शेष भूमि, दक्षिण - जमुना प्रसाद की भूमि, पूर्व-खिलावन की भूमि, पश्चिम - निस्तारी रोड।	04-12-2025	3,50,902	05-02-2026	50,000	5,000	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
10.	खिलेश कुमार साहू, दुर्गा प्रसाद साहू, योगेश साहू, जलावती साहू	खसरा नंबर 519/19, मौजा तिलसरा, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. बिल्हा, ब्लॉक व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ - 495001। चौहद्दी: उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - विक्रेता की भूमि, पूर्व - निस्तारी रोड, पश्चिम - अन्य की भूमि।	03-11-2025	8,17,893	06-01-2026	77,500	7,750	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
11.	करण सिंह सिदार, शीला सिदार	प्लॉट-खसरा नंबर-89/2 (भाग), प.ह.नं.-24/43, रा.नि.मं.- सकरी, ब्लॉक-तखतपुर, तहसील-तखतपुर, ग्राम पंचायत घुरू, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम - सड़क, उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - विक्रेता की भूमि।	03-10-2025	18,58,061	08-12-2025	2,40,000	24,000	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
12.	अर्जुन बघेल, द्रोपती बघेल	मकान-मौजा जयराम नगर, खसरा नंबर 117/9, प.ह.नं. 27, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: : उत्तर - सड़क, दक्षिण - विक्रेता की भूमि, पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम - पूजा फार्टी की भूमि।	03-10-2025	8,82,744	08-12-2025	1,30,500	13,050	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
13.	अयोध्या खुंटे, अमन खुटे, अंकुश कुमार खुटे, नलिनी खुटे	मकान-ख.नं. 147/4, प.ह.नं. 41 रा.नि.मं. सकरी मौजा सैदा, तहसील सकरी व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - सड़क, पश्चिम - सूर्यवंशी की भूमि, उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - विक्रेता की भूमि।	03-10-2025	12,31,911	08-12-2025	2,03,940	20,394	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
14.	प्रद्युम्न कुमार चंद्रवंशी, भारती वर्मा	फ़्लैट-ख़.नं. 2318/8, चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह.सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व-वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर- संजय साहू का प्लॉट, दक्षिण- मुख्य सड़क।	03-10-2025	9,94,654	08-12-2025	92,400	9,240	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
15.	भुवन यादव, शैल यादव, लच्छीराम यादव	फ्लैट-2318/8, 2318/14, मौजा चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-09-2025	10,96,827	06-11-2025	88,000	8,800	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
16.	सरिता यादव कमल कुमार यादव	मकान-ख.नं.2318/8 भाग, मौजा चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर - विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण - विक्रेता के शेष भूमि, पूर्व - वीरेंद्र कौशिक की भूमि, पश्चिम - सड़क।	03-09-2025	10,90,001	06-11-2025	88,000	8,800	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
17.	सबिता रणधीर कुमार हिरवानी	मकान-2318/8, मौजा चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर - सड़क, दक्षिण - कमल कुमार की भूमि, पूर्व - वीरेंद्र कौशिक की भूमि, पश्चिम - सड़क।	03-09-2025	10,62,831	06-11-2025	88,000	8,800	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
18.	गीतानंद निषाद, माखन लाल केवट	प्लॉट-मौजा तिलसरा, ख.नं.519/9, मौजा तिलसरा, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. बिल्हा, ब्लॉक व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व - खिलावन सूर्यवंशी का प्लॉट, पश्चिम - 20 फीट का रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - प्रमोद का प्लॉट।	03-09-2025	7,48,386	06-11-2025	54,700	5,470	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
19.	यश क्यारवार, नरेंद्र क्यारवार, सुनीता क्यारवार	मकान-2318/8, 2318/14, मौजा: चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर में - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण में -विक्रेता का प्लॉट।	03-08-2025	10,80,724	07-10-2025	88,000	8,800	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
20.	आशीष रजक, रमा बाई	ख.नं. 126/105, प.ह.नं. 30, मौजा पत्थरखान, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा विकास खंड, तह. बिल्हा और जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-08-2025	8,95,195	07-10-2025	82,400	8,240	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
21.	सुरेश साहू, प्रतिमा साहू, अजय साहू	ख.नं.519/20, मौजा तिलसरा, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. बिल्हा, ब्लॉक व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001, चौहद्दी:पूर्व- खिलावन सूर्यवंशी का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-अमित का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-08-2025	8,58,236	07-10-2025	52,250	5,225	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
22.	बालमुकुंद विश्वकर्मा, सरिता विश्वकर्मा	मकान- ख.नं. 641/3 (भाग), प.ह.नं. 42, मौजा उसलापुर, तहसील एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व - प्रदीप कुमार पटेल की भूमि, पश्चिम- निस्तारी रोड, उत्तर - प्रदीप कुमार पटेल की भूमि, दक्षिण - प्रदीप कुमार पटेल की भूमि।	04-07-2025	28,78,978	22-05-2026	16,00,000	1,60,000	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
23.	स्वर्गीय आकाश सोनवानी(मृत), अनीश शोनवानी, स्वर्गीय आकाश सोनवानी (मृत) के अन्य वैध प्रतिनिधि	ख.नं.147/4 (भाग), प.ह.नं. 41, रा.नि.मं. सकरी मौजा सैदा, तहसील व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-सड़क, पश्चिम-सूर्यवंशी की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि ।	03-06-2025	17,05,513	07-08-2025	2,16,000	21,600	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533
24.	संजय साहू, रामझूल साहू, लगनी साहू	''ख.नं.-2318/8, 2318/14, प.ह.नं. 50, मौजा चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व - वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	06-05-2025	11,70,195	07-07-2025	88,000	8,800	27-07-2026 (11am-2pm)	25-07-2026 (upto 5pm)	9730775533

ई-नीलामी सेवा प्रदाता:	ई-ऑक्शन वेबसाइट/जानकारी और अन्य शर्तों के लिए:	ईएमडी / अन्य राशि जमा करने हेतु खाता नंबर	शाखा आईएफएससी कोड:	लाभार्थी का नाम
कंपनी का नाम: ई- प्रोक्यूरमेंट टेक्नालॉजीस लिमि. (ऑक्शन टाईगर) हेल्पलाइन नंबर: 079-35022160/149/182 संपर्क व्यक्ति: राम शर्मा - 8000023297 ईमेल आईडी: ramprasad@auctiontiger.net और support@auctiontiger.net	http://www.homefirstindia.com https://homefirst.auctiontiger.net	911020005835824 होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड – एक्सिस बैंक लिमिटेड, बैंगलोर KT	UTIB0000009	अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

बोली वृद्धि राशि 10,000/- रुपये है। यह बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेब पोर्टल (https://homefirst.auctiontiger.net) पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी। ऑनलाइन ई-नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणापत्र और ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम एवं शर्तें युक्त ई-नीलामी निविदा दस्तावेज पोर्टल साइट पर उपलब्ध हैं। अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, संपत्तियों पर कोई भार नहीं है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले, संपत्ति पर भार, नीलामी के लिए रखी गई संपत्ति/संपत्तियों के स्वामित्व और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/देयताओं के संबंध में स्वयं स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिए। ई-नीलामी विज्ञापन होम फर्स्ट की ओर से कोई प्रतिबद्धता या प्रतिनिधित्व नहीं है और न ही इसे ऐसा माना जाएगा। संपत्ति होम फर्स्ट को ज्ञात या अज्ञात सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेची जा रही है। अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित लेनदार किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों/अधिकारों/देयताओं के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे। यह बिक्री प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी। **किसी भी विसंगति की स्थिति में, सूचना का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा।**

सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत वैधानिक 15 दिन की बिक्री सूचना

ऋणधारक/जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि वे मांग नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान, अद्यतन ब्याज और अन्य संबंधित खर्चों सहित, ई-नीलामी की तिथि से पहले कर दें। ऐसा न करने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री कर दी जाएगी और यदि कोई बकाया राशि हो तो उसे ब्याज और लागत सहित वसूल किया जाएगा।

दिनांक: 12-07-2026 स्थान: बिलासपुर

हस्ताक्षरकर्ता /- अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

प्रथम पृष्ठ का शेष

उफनती नदियां कई...

किया जा रहा है, जो अब तक पूर्ण नहीं हो सका है। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2027 के बारिश से पूर्व निर्माण कार्य होने की संभावना है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिलेगी। **सरकार के तरफ टकटकी लगाए देख रहे ग्रामीण**-लोहंडीगुड़ा ब्लॉक के 15 गांव के 11443 ग्रामीणों की जिंदगी बारिश के दौरान नाव के सहारे ही चल रही है। आज भी क्षेत्र के गांव के लोग एक पुल की आस लगाए सरकार के तरफ टकटकी लगाए देख रहे हैं। धर्माबेड़ा, बिंता, सतसपुर, भेजा, ककनार, पालम, कुदूर, चंदेला, इमलीधर आदि गांव के ग्रामीणों ने बताया कि इन्द्रावती नदी में पुल बनने से राहत मिलेगी।

20 साल में नहीं...

आज तक किसी बड़े पुलिया का निर्माण नहीं हुआ है। इसलिए बरसात के दिनों में यह अंचल टापू बन जाता है। ज्ञात हो कि रसेला से बिलाक मुख्यालय छुरा की दूरी 17 किलोमीटर है, सड़क और पुल-पुलिया की हालत इतनी जर्जर है कि आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। अनहोनी की आशंका से लोगों एवं राहगीरों में भय बना रहता है, पिछले दिनों हुई हल्की बारिश में ही जगह-जगह गड्ढों में पानी भर गया, इस मार्ग को नया बनाने के लिए लंबे समय से से मांग की जा रही है लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है। छुरा से लेकर रसेला तक सभी पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त हैं **कई बार की शिकायत**-रसेला के पास बनी पुलिया करीब 20 साल पहले क्षतिग्रस्त हुई थी। जिसे आज तक नहीं बनाया गया। फिर यह पुलिया काफी नीचे होने के कारण ज्यादा बारिश होने पर बरसात का पानी 3 फीट ऊपर बहते रहता है, जिससे 32 गांव बरसात के दिनों में टापू बन जाते हैं, बरसात के दिनों में अगर कोई बीमार पड जाये और 108 की जरूरत पड़ती है तो 108 रसेला नहीं पहुंच सकती।

चार साल बाद...

पुल पर पानी आने से छात्र-छात्राएं और शिक्षक स्कूल नहीं पहुंच पाते, वहीं किसानों का खेतों तक आवागमन भी बाधित हो जाता है। चार किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए लोगों को डोंडी-लोहारा होकर करीब 30 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ता है।, छत्तीसगढ़ शासन ने वर्ष 2022-23 के बजट में जुझारा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 2.11 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की थी। हालांकि स्वीकृति मिलने के 43 माह बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है। **पुल निर्माण शुरू करने की मांग**- ग्राम पंचायत चिपरा के सरपंच यश राणा सहित ग्रामीणों ने शासन और लोक निर्माण विभाग से बरसात को देखते हुए जुझारा नाला पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण शीघ्र शुरू कराने की मांग की है, ताकि क्षेत्र के ग्रामीणों, विद्यार्थियों और किसानों को सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सके।

चार दशकों से...

पानी भरने के कारण गांव दो हिस्सों लवईडीह खास एवं लवईडीह बरपारा में विभक्त हो गया है प्रायमरी एवं मिडिल स्कूल का संचालन लवईडीह खास में होने के कारण बरपारा के बच्चों को गहरी नदी को ट्यूब के सहारे पार कर भारी खतरे के बीच स्कूल आना पड़ता है। दूसरी तरफ ग्रामीणों की अधिकांश खेती बरपारा में होने के कारण लोगों को कई बार नदी पार कर बरपारा जाना पड़ता है। बड़े क्षेत्र में 8 महीने तक पानी भरे रहने के कारण ग्रामीणों को जिला मुख्यालय अम्बिकापुर पहुंचने के लिए 45 किमी का लम्बा सफर करना पड़ता है। नदी पार करने के लिए ग्रामीण दशकों से ट्यूब का उपयोग कर रहे हैं। पांच साल पूर्व गांव में पुल बनाने की मांग उठने पर प्रशासन ने ग्रामीणों को एक नाव उपलब्ध करा दिया है। नाव मिलने के बाद ग्रामीणों को नदी पार करने में कुछ सुविधा मिली है लेकिन अभी भी ट्यूब से मुक्ति नहीं मिल पाई है। आवश्यक होने पर स्कूल बच्चे व ग्रामीण अभी भी खतरे के बीच ट्यूब के भरोसे नदी पार कर रहे हैं। **हो चुकी है कई मौतें**-खतरे के बीच नदी पार करने के दौरान नदी में डूबने से कई ग्रामीणों की मौत हो चुकी है। इस तरह की दुर्घटनाओं से सुरक्षा के लिए ग्रामीणों ने दोनों छोर पर रस्सी बांध दी थी तथा रस्सी के सहारे ट्यूब पर बैठकर नदी पार करते थे। नाव मिलने के बाद दुर्घटनाओं में कमी आई है लेकिन जिला मुख्यालय की दूरी में कमी नहीं आ सकी है। **विधायक ने किया था जल सत्याग्रह**- ग्राम लवईडीह विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा के अंतर्गत है। ग्रामीणों ने तत्कालीन विधायक चिंतामणि महाराज से नदी पर पुल बनाने की मांग की तो उन्होंने ग्रामीणों के साथ घंटों नदी में खड़े रहकर जल सत्याग्रह किया था। तत्कालीन विधायक के जल सत्याग्रह के बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ। नाराज ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा की थी। प्रशासन द्वारा मान-मनव्वल करने के बाद अंतिम समय में ग्रामीण मतदान के लिए राजी हुए थे। तब अधिकारियों ने ग्रामीणों की मांग पूरी करने का आश्वासन दिया था। तत्कालीन लुण्ड्रा विधायक चिंतामणि महाराज अब सरगुजा के सांसद है इसके बावजूद अभी तक ग्राम लवईडीह में घुनघुट्टा नदी पर पुल बनाने की दिशा में कोई पहल नहीं हो सकी है। **की जाएगी पहल**-किसी ग्रामीण ने हाल ही में मुझे नदी पार करने का वीडियो भेजकर इसका स्मरण कराया है। लवईडीह में पुल निर्माण के लिए पहल की जाएगी। - **चिंतामणि महाराज**, सांसद, सरगुजा

प्रदेश में बारिश पर...

आई है। पिछले चौबीस घंटे में तो सरगुजा संभाग में सर्वाधिक 4 सेमी. बारिश हुई है। मध्य इलाके में तो बूंदाबांदी की स्थिति भी नहीं बनी। यहां बादल छाए हुए हैं और वातावरण में पर्याप्त मात्रा में नमी मौजूद है जो लोगों की असहजता का कारण बन गया है। दिन में 33-34 डिग्री के टेंप्रेंचर के बीच उमसभरी गर्मी महसूस हो रही है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो शुक्र-शनि की दरम्यानी रात का तापमान सामान्य से ढाई से तीन डिग्री ज्यादा था जिसकी वजह से परेशानी कुछ ज्यादा ही महसूस हुई।

जेएनएम मेडिकल...

सौ सीटों की हो गई है। राज्य में अभी शासकीय स्तर पर दस शासकीय मेडिकल कालेज हैं, इनमें नई सीट मिलाकर कुल 1450 सीटें हैं। प्रदेश में शासन पांच नए मेडिकल कालेज प्रारंभ करने की पुरजोर कोशिश में लगा है। 50-50 सीटों की क्षमता वाले इन चिकित्सा महाविद्यालयों को अनुमति मिलने के बाद शासकीय कालेजों की सीट बढ़कर 1700 हो जाएगी। सरकारी के अलावा निजी कालेजों में एमबीबीएस की 900 सीटें हैं। **00 युवाओं को मिलेगा अधिक अवसर : जायसवाल**-स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि सीटों की संख्या बढ़ने से प्रदेश के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर मिलेंगे और वे अपने ही राज्य में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। इससे अन्य राज्यों और विदेशों में जाकर एमबीबीएस की पढ़ाई करने वालों की निर्भरता कम हो जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

विदाई का सही...

कठिन से कठिन परिस्थितियों में लौटकर जीतना उनकी पहचान रही है। यही जिद, यही आत्मविश्वास और यही अदम्य इच्छाशक्ति उन्हें उन ऊँचाइयों तक ले गई, जहाँ पहुँचना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए केवल सपना रह जाता है। इसीलिए आज भी वे ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल तक पहुँच जाते हैं। उनतालीस वर्ष की आयु में भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच खड़े दिखाई देते हैं। यह किसी साधारण खिलाड़ी की उपलब्धि नहीं हो सकती। लेकिन खेल केवल वहाँ तक पहुँचने का नाम नहीं है। महान खिलाड़ियों की असली पहचान वहाँ होती है, जहाँ वे निर्णायक मुकाबले जीतते हैं। इस कसौटी पर अर्से से महसूस हो रहा है कि जोकोविच अब अव्वल नहीं रहे।

विंबलडन के सेमीफाइनल में दुनिया एक संघर्ष देखना चाहती थी। वह चाहती थी कि अनुभव और युवावस्था का टकराव पाँच सेटों तक जाए। लेकिन कोर्ट पर जो दिखाई दिया, वह एकतरफा था। तीन सेट, तीन बार 6-4, और लगभग पूरे मैच पर सिनर का नियंत्रण। जोकोविच लड़ते हुए ही नहीं दिखे; वे समय का पीछा करते हुए दिखे। जिस जोकोविच के सर्विस रिटर्न की दुनिया दीवानी रही , वह सिनर की सर्विस के आगे असहाय दिखे। पिछले कुछ समय से वह सिनर और अल्कारेज के आगे इतने ही असहाय महसूस होते आ रहे हैं।

निस्संदेह, क्वार्टरफाइनल में उन्होंने पाँच घंटे से अधिक का थकाऊ मुकाबला जीतकर अपनी महानता का एक और प्रमाण दिया था। लेकिन आधुनिक टेनिस किसी एक दिन का खेल नहीं है। यहाँ हर दूसरे दिन शरीर से वही गति, वही विस्फोट और वही ऊर्जा माँगी जाती है। यदि बहत्तर घंटे पहले खेला गया एक लंबा मैच सेमीफाइनल में आपकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि प्रतिद्वंद्वी नहीं, समय आपको चुनौती दे रहा है। समय पर सही फैसला ही इतिहास में आपको अमरता दिलाता है।

भारतीय क्रिकेट इस संदर्भ में दो विपरीत उदाहरण देता है।

सुनील गावस्कर ने संन्यास उस समय लिया जब लोग उन्हें रोकना चाहते थे। अपने अंतिम एकदिवसीय मैच से ठीक पहले वाले मैच में उन्होंने करियर का एकमात्र वनडे शतक लगाया था। अंतिम टेस्ट मैच में भी पाकिस्तान के तेज आक्रमण के सामने उन्होंने 96 रन बनाकर यह साबित कर दिया था कि उनके भीतर अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है। तब लोगों ने पूछा/"इतनी जल्दी क्यों?/"लेकिन उन्होंने अपने शरीर की क्षमता को भांपते हुए बल्ला रख दिया था।

दूसरी ओर कपिल देव थे। विश्व कप विजेता कप्तान, भारतीय क्रिकेट के महानतम ऑलराउंडरों में एक। लेकिन रिचर्ड हैडली के विकेटों का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की चाह में वे अपेक्षा से अधिक समय तक खेलते रहे। तब सवाल बदल गया/"अब तक क्यों?/" महान खिलाड़ियों के सामने अंततः यही दो रास्ते होते हैं। या तो लोग कहें/"अभी क्यों जा रहे हो?/" या फिर कहें/"अब तक क्यों रुके हो?/"

नोवाक जोकोविच आज इसी चौराहे पर खड़े हैं। उनकी उपलब्धियां किसी प्रमाणपत्र की मोहताज नहीं। सबसे अधिक ग्रैंड स्लैम, सबसे अधिक संघर्षपूर्ण जीतें और सबसे अधिक वापसी की कहानियाँ का वह हिस्सा हैं। उन्होंने टेनिस के इतिहास को नई परिभाषाएँ दी हैं। लेकिन हर महान खिलाड़ी की विरासत उसकी अंतिम ट्रॉफी से नहीं, उसके अंतिम निर्णय से भी तय होती है।

सिनर और अल्काराज अब भविष्य नहीं हैं। वे वर्तमान हैं। खेल की धारा आगे बढ़ चुकी है। पुरानी पीढ़ी का सम्मान तभी अक्षुण्ण रहता है, जब वह नई पीढ़ी के लिए मंच भी सम्मानपूर्वक छोड़ती है।

शायद समय आ गया है कि बिग थ्री का अंतिम अध्याय भी उसी गरिमा के साथ लिखा जाए, जैसी गरिमा से उसके अभी तक अध्याय लिखे गए ।

क्योंकि कुछ खिलाड़ी हारकर छोटे नहीं होते। वे केवल समय को जीतने की कोशिश करते-करते यह भूल जाते हैं कि समय से कोई नहीं जीतता।

और सच तो यह है कि जो समय की आहट सुन ले, वही सबसे बड़ा विजेता होता है।

शीर्ष दो खिलाड़ियों...

ज़्वेरेव हैं। पेरिस की लाल मिट्टी पर ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद अब ज़्वेरेव की परीक्षा विम्बलडन की हरी घास पर होगी, जबकि दूसरी ओर गत चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर अपने ताज को बचाने के इरादे से उतरेंगे। दोनों की मौजूदा फॉर्म, रैंकिंग और दांव पर लगी प्रतिष्ठा को देखते हुए टेनिस प्रेमियों को एक रोमांचक और उच्चस्तरीय मुकाबले की उम्मीद है। हालाँकि, एक दिलचस्प संयोग यह भी है कि जिस समय दुनिया भर के टेनिस प्रेमियों की निगाहें विम्बलडन पर टिकी हैं, उसी समय ब्रिटेन का खेल माहौल कुछ अलग कहानी कह रहा है। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम विश्व कप के अहम मुकाबलों में व्यस्त है, इसलिए लंदन और पूरे इंग्लैंड में चर्चा का सबसे बड़ा विषय विम्बलडन नहीं, बल्कि फुटबॉल है। यह खेल संस्कृति की वही खूबसूरती है, जहाँ एक ओर सेंटर कोर्ट पर इतिहास लिखने की तैयारी है, तो दूसरी ओर फुटबॉल का जुनून लोगों की धड़कनों पर राज कर रहा है।

वियतनाम में नौका...

इस घटना में 21 लोगों को बचाया गया, जबकि 15 लोगों की जान चली गई। ये सभी पर्यटक थे। रिपोर्ट के मुताबिक जिन लोगों को बचाया गया है उनमें दो की हालत गंभीर है। दोनों स्थानीय मीडिया संस्थानों के अनुसार समुद्र में ऊंची लहर उठ रही थी और तेज हवा चल रही थी। इससे पहले, हनोई में भारतीय दूतावास ने कहा था कि उसने इस घटना के सिलसिले में हो ची मिन्ह सिटी के वाणिज्य दूतावास एवं हनोई में दूतावास परिसर में नियंत्रण कक्ष स्थापित किये हैं। हालांकि, भारतीय दूतावास ने लोगों की मौत के बारे में अबतक कोई विवरण नहीं दिया है।

66 लाख से अधिक...

को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वावलंबन की नई पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज की किश्त के साथ योजना के अंतर्गत अब तक 29 किश्तों में कुल 18,805.83 करोड़ रुपए की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में नारी शक्ति के सशक्तिकरण का जो व्यापक अभियान चल रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार उसी संकल्प को पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतार रही है। **2024 से शुरू हुई योजना**-उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना 1 मार्च 2024 से प्रदेश में लागू की गई है। योजना के तहत 21 वर्ष या उससे अधिक आयु की पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाती है।

मासूम के सामने...

रहने की सलाह दे रहा है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पहली घटना कापू वन परिक्षेत्र के तालगांव की है, जहां तड़के करीब चार बजे एक हाथी अचानक गांव में घुस आया। हाथी को बस्ती में देखकर लोगों में अफरा-तफरी मच गई और सभी अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। इसी दौरान 37 वर्षीय शकुंतला बाई भी घर से बाहर निकलकर भागने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन हाथी ने उन्हें दौड़ाकर पटक दिया और कुचल दिया। उस समय वहां शकुंतला बाई की बच्ची भी मौजूद थी। हमले में गंभीर रूप से घायल शकुंतला बाई को परिजन और ग्रामीण तत्काल कापू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना के दौरान उनकी छोटी बेटी अपनी मां को घायल अवस्था में देखकर बिलखती रही। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन हाथी काफी आक्रामक था। इसी बीच बचाव कार्य के दौरान एक हाथी ने वन विभाग के वाहन पर भी हमला कर दिया। उसने सूंड और सिर से जोरदार धक्का मारकर गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हाथी का आक्रामक रुख साफ दिखाई दे रहा है। इधर दूसरी घटना छाल वन परिक्षेत्र के ग्राम औरानारा में हुई। यहां 50 वर्षीय बंधन अगरिया सुबह शौच के लिए घर से बाहर निकले थे। बताया जा रहा है कि गांव के पास पहले से एक हाथी मौजूद था। अनजाने में ग्रामीण उसके काफी करीब पहुंच गया, जिससे हाथी भड़क उठा और हमला कर दिया। हमले में बंधन अगरिया की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। शव का पंचनामा और अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद वन विभाग ने नियमानुसार सहायता राशि की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लोगों ने वन विभाग से हाथियों की निगरानी बढ़ाने, समय पर अलर्ट जारी करने और प्रभावित गांवों में प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं को रोका जा सके। **छत से ग्रामीणों ने बनाया वीडियो**- गांव में हाथियों की आमद की जानकारी मिलने पर जब वन अमले की एक टीम मौके पर पहुंची तो उस वक्त तक उक्त दंतैल दूसरी ओर था, लेकिन वह दौड़ते हुए वन अमले की गाड़ी के पास पहुंचा और उसे पलटाने की कोशिश की। इस पूरी घटना का वीडियो ग्रामीणों ने अपने मोबाइल में बनाया। ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए छत में चले गए थे।

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS देखकर खरीदें

सीला मलहम ®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देंखे
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- डेयरी में काम करने हेतु राऊत चाहिए उनकी फेमिली को भी यहां काम मिलेगा। सर्वसुविधायुक्त कवार्टर मिलेगा। रोजी- प्रतिदिन राऊत 400/- रेजा 250/- सम्पर्क करें- 95753 02419 (41389)

आवश्यकता है- थोक जूता चप्पल दुकान में सेल्समैन तथा पैकिंग कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7000941144 (सम्पर्क समय 12बजे से शाम 5बजे तक) (41390)

आवश्यकता है- एक बहुमंजिला निर्माणाधीन भवन में कार्य करने हेतु सिविल सुपरवाईजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 9111913566 (41385)

आवश्यकता है- घरेलू काम जैसे खाना बनाने और ऊपरी काम आदि के लिए महिला की आवश्यकता है। उचित वेतन दिया जाएगा सम्पर्क करें- 7974057212 पता- जूनी लाइन बिलासपुर (41391)

आवश्यकता है-टिकरापारा बिलासपुर के बॉयज हॉस्टल में कम्प्यूटर/ एकाउंट्स जानकार पुरुष वार्डन की आवश्यकता है उम्मीदवार नशा मुक्त होना अनिवार्य है। रहना+ खाना फ्री। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9303159900, 9630110824 (41369)

आवश्यकता है-पुस्तक प्रकाशन में टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। कंप्यूटर नॉलेज जरुरी। वेतन योग्यता अनुसार। अंग्रेजी वाले को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- Evincepub Publishing, शिवम काम्प्लेक्स, ITI कोनी, बिलासपुर 62607 11728, 9171810321 (41350)

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप हेतु अनुभवी स्टाफ चाहिए। केवल पेट्रोल पंप में पूर्व कार्य अनुभव रखने वाले लड़के ही संपर्क करें। आकर्षक वेतन। इच्छुक उम्मीदवार संपर्क करें। मो.: 8982390812, 79878 84236 (41394)

आवश्यकता है- बेकरी एवं स्वीट्स दुकान में काऊंटर सेल्समैन, स्टोर कीपर, कार ड्राइवर चाहिए। अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- बेकर्स फार्म, शरण साइकिल के बाजू में, डोमिनोज के सामने, बिलासपुर। 780388885, 9617611110 (41396)

आवश्यकता है- रेडीमेड थोक कपड़ा दुकान में काम करने के लिए लड़की की आवश्यकता है पेमेन्ट 8000 से 10000 काम सीखा हुआ आना चाहिए सम्पर्क करें- करबला, बिलासपुर 9993727166 (41386)

आवश्यकता है- अंकुर डेली नीड्स में काम करने हेतु अनुभवी लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रिंग रोड नंबर 2 गौरव पथ भाटिया पेट्रोल के पास बिलासपुर 8085813131 (41395)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़के चाहिए जिसे busy software में कार्य करने का 2 से 3वर्ष का अनुभव हो। सम्पर्क करे- सुबह 11 से 2बजे कम्प्यूटर सर्विस लाइन, इन्दू चौक बिलासपुर 99772 98333 (41398)

आवश्यकता है-सूर्या कम्प्यूटर एवं टाइपिंग सेन्टर वृन्दावन परिसर के बगल से शीघ्र ही ऑनलाईन फार्म एवं अंग्रेजी, हिन्दी कम्प्यूटर टाइपिंग के जानकार की आवश्यकता है। शीघ्र सम्पर्क करें- प्रो. श्रीमती सरला अग्रवाल नेहरू चौक के पास बिलासपुर 93039 01066 (41361)

आवश्यकता है- मशरूम स्पान (बीज) बनाने हेतु 10वीं पास 18 से 25वर्ष के लड़के एवं लड़कियां चाहिए। सम्पर्क करें- श्याम मशरूम एण्ड एग्रो, अशोक नगर चौक, सीपत रोड, सरकंडा बिलासपुर 8085730725 (41383)

आवश्यकता है- एम्बियंस इंफ्रा ग्रुप बिलासपुर को आवश्यकता है साइट सिविल सुपरवाइजर- 2 पद अनुभव- न्यूनतम 7 साल वेतन- योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7610320000, 70498 10000 (41381)

आवश्यकता है-ब्यूटी पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अतिशीघ्र सम्पर्क करें- 9179034243 (41363)

आवश्यकता है- डेंटल क्लीनिक में काम करने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। पता शांति डेंटल केयर दयालबंद गुरु द्वारा के पास मेन रोड दयालबंद बिलासपुर सम्पर्क करें- 8109518000 (41377)

आवश्यकता है-कार चलाने हेतु अनुभवी लाइसेंसी, जिम्मेदार ड्राइवर की आवश्यकता है। जिसे शहर के रास्तों की जानकारी हो। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- महेन्द्र जेम्स एण्ड ज्वेलर्स मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 917132 5702 (41362)

आवश्यकता है-तत्काल भर्ती सुरक्षागार्ड 25, ड्राइवर 10, फिल्ड ऑफिसर 10 बाइक अनिवार्य, वेतन- 11000 से 18000+ रहना फ्री, साईट बिलासपुर, भूपदेवपुर पता- शॉप नं.-210 फर्स्ट फ्लोर बालाजी प्लाजा 8461881110, 9111000881, 88898 23100 (41295)

आवश्यकता है- कार ड्राइवर- 2 पद, ऑफिस बॉय- 1 पद की आवश्यकता है वेतन- योग्यता अनुसार पता- हनुमान हार्डवेयर स्टोर, व्यापार विहार, बिलासपुर सम्पर्क करें- 7879883245 (41375)

आवश्यकता है-काऊंटर मैनेजर (रेस्टोरेंट बिलिंग अनुभवी, स्वयं का वाहन एवं लाइसेंस अनिवार्य) अथवा कार ड्राइवर (10वर्ष अनुभवी, परिवार सहित रहने की सुविधा) एवं फ्रेशर लड़को की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7879121999 (41370)

आवश्यकता है- क्लीनिक में काम करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। सैलरी 4000 से 5000 समय सुबह 10 से शाम 8बजे सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, राजीव प्लाजा के पास बिलासपुर 9770410332 (41379)

आवश्यकता है-होटल में काम करने हेतु अनुभवी फ्रंट ऑफिस मैनेजर एवं हाउस कीपिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9329423630, 62621 21414 (41368)

आवश्यकता है-दुकान कार्य हेतु अनुभवी व्यवहार कुशल, ईमानदार लड़कों एवं 2-3 वर्ष कम्प्यूटर जानकार एकाउंटेंट युवक चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- मनोज गुप्ता, खोवा मण्डी गोल बाजार बिलासपुर 9340235239, 7747012196 (41367)

आवश्यकता है-फुटवियर शॉप में काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की तत्काल आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अतिशीघ्र सम्पर्क करें- चार्ली शूज मिशन हॉस्पिटल रोड बिलासपुर 9770899991, 7389199138 (41365)

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में कार्य करने हेतु सेल्समैन, दुकान में माल निकालने, पैकिंग हेतु लड़के चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जयदेव मेडिकल एजेन्सी, अयप्पा मन्दिर रोड, भारतीय नगर बिलासपुर 9993303951 (41371)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित दवाई दुकान में काम करने हेतु पुरुष फार्मासिस्ट/ नान फार्मासिस्ट कर्मचारियों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता, आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8959828335 (41352)

आवश्यकता है-(1) ट्रान्सपोर्ट मैनेजर (जो सभी गाड़ियों का पूर्ण मैनेजमेंट करे) (2) मेन्टेन्स सुपरवाइजर (जो ट्रकों के पूर्ण रखरखाव का अनुभवी हो) (3) ट्रक ड्राइवर (जो ट्रेलर 14 चक्का गाड़ियां चलाने का कम से कम 5वर्ष का अनुभव हो) सम्पर्क करें- विशाल मोटर्स 7000470116 7974174906 (41360)

आवश्यकता है- चायपत्ति में पैकिंग कार्य के लिये लेडिस व लोडिंग अनलोडिंग के लये पुरूष कि आवश्यकता है संपर्क जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह रायपुर मों 74699-80000, 0771-4075490 (883)

Wanted- Wanted graduate and experienced teacher to teach computer and pre primary teacher ,Aaya. And Drivers. Address :- Krishna public school Rajkishore nagar Bilaspur Contact: 8109912431,,934077286 6,,9340767474 (4156)

बेचना

बेचना है- हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, खमतराई में 1 BHK LIG मकान बेचना है, कीमत 22 लाख, सम्पर्क करें- 9770128995 (41387)

बेचना है- हेमू नगर चन्द्रा चौक बिलासपुर में डबल स्टोरी मकान बेचना है (प्लाट साईज 1550 वर्गफीट बिल्टअप 3247 वर्गफीट 4 हाल, 5 बेडरूम, 2 किचन, 2 पूजा 5 लेटबाथ) सम्पर्क करें- 808595593 (41397)

बेचना है- प्लाट बेचना है मेन एनटीपीसी सीपत रोड में मोपका मेन रोड में 70×169= 11830 वर्गफीट कमर्शियल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9202479945 7828539364 (41374)

बेचना है- प्लाट बेचना है शहर के मध्य प्राइम लोकेशन में तैबा चौक के पास 20×50 एवं 23×48 के डायवर्टेड प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 9827662992, 98261 24264 (41373)

बेचना है- व्यापार विहार रोड स्थित महिमा कॉम्पलेक्स में 625 वर्गफुट डबल फ्लोर शॉप बिक्री हेतु। प्राइम लोकेशन, शानदार फ्रंटेज, चौड़ी सड़क, व्यवसाय व निवेश के लिए उत्कृष्ट। तत्काल पजेशन। संपर्कः 89823 90812, 7987884236 (41393)

किराया

किराया- मंगला लोखंडी रोड में नव निर्मित 10 कमरे अटैच बाथरूम जो कि लॉज के लिए उपयुक्त है किराये पर देना है सम्पर्क करें- 9826122148 (41392)

किराया- 1BHK, 400 वर्गफुट आंगन 2 और 4 व्हीलर पार्किंग एवं 24 घंटा पानी की सुविधाओं सहित वेयर हाउस रोड में शाकाहारी परिवार को किराये से देना है संपर्क 9893025684 (अग्रवाल) (41388)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ज्योतिष

ज्योतिष- निःशुल्क छत्तीसगढ़िया ज्योतिष विचार देखइया बईगा चमत्कारी काली माई की शक्ति से आर्थिक मानसिक शारीरिक सब्बो समस्या के समाधान बर एक बेर जरूर मिलव मो. 8461886239 (884)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत्त वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें 7898655147

वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6'' मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

वधु चाहिए- Wanted Bride- Bengalee 42/5'-9'', General Caste, Divorcee. PG from IIIT, Posting Accenture Nagpur, 3 Lakhs/ month. Parents Pensioners. Houses Jabalpur & Kolkata. Caste no bar. Mob- 7987502840 (1007)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

मेरिनो ने फिर पलटी बाजी, सेमीफाइनल में स्पेन

करीबी मुकाबले में बेल्जियम को 2-1 से हराया

मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे मैच में कमाल दिखाया और मैदान पर उतरने के बाद अपने दूसरे मिनट में ही निर्णायक गोल दागा, जिससे स्पेन ने बेल्जियम को करीबी मुकाबले में 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

'मैंने लगातार दूसरे मैच में ऐसा किया, इसलिए लगता है कि संयोग जैसी कोई चीज होती है। अगर आप तैयार हैं और कोशिश करते हैं तो कोई भी ऐसा कर सकता है। किस्मत ने भी मेरा साथ दिया।' मेरिनो ने अपने पहले विश्व कप में दो गोल किए हैं और ये दोनों ही ऐतिहासिक हैं।

– मिकेल मेरिनो
स्ट्राइकर, स्पेन

एजेंसी ▶▶| इंगलवुड

मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर आए और उन्होंने 88वें मिनट में बेल्जियम के बैकअप गोलकीपर सेने लैमेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल कर दिया। उन्होंने बॉक्स में घुसकर तब गोल दागा जब लैमेंस पाउ कुबार्सी के लंबे शॉट पर रिबाउंड को नहीं रोक पाए थे। यह लगातार दूसरा मैच था जबकि मेरिनो ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरकर निर्णायक गोल किया। मेरिनो ने पिछले मैच में स्पेन की पुर्तगाल पर 1-0 की जीत में इंजरी टाइम के शुरुआती समय में सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर आने के चार मिनट बाद ही गोल कर दिया था। स्पेन सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फ्रांस का सामना करेगा।

टूर्नामेंट में पहली बार स्पेन ने खाया गोल

स्पेन के लिए फैबियान रुइज ने 30वें मिनट में गोल किया। बेल्जियम के फॉरवर्ड चार्ल्स डी केटेलेरे ने 41वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह टूर्नामेंट में पहला अवसर है जबकि स्पेन ने गोल खाया। स्पेन मार्च 2023 से लगातार 37 मैचों में अजेय रहा है। वह 2010 में खिताब जीतने के बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है। बेल्जियम का सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 18 मैचों में अजेय रहने का सिलसिला समाप्त हो गया।

गोलकीपर लैमेंस 71वें मिनट में उतरे मैदान पर

गोलकीपर लैमेंस को 71वें मिनट में मैदान में उतरना पड़ा, क्योंकि बेल्जियम के लंबे समय से गोलकीपर रहे थिबाउट कर्टोइस जांघ में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में बराबरी का गोल करने के लिए जीजान से प्रयास किया, लेकिन आयमेरिक लापोर्टे ने सर्वश्रेष्ठ मौके पर शॉट बाहर मार दिया।

सेमीफाइनल में स्पेन और फ्रांस के बीच होगी भिड़ंत

स्पेन और फ्रांस के बीच मंगलवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। इस साल के विश्व कप में दोनों में से कोई भी टीम हारी नहीं है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, ' यह दो दिग्गज टीम के बीच मुकाबला होगा लेकिन हम मैच जीतने में सक्षम हैं। उनकी टीम लाजवाब है लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है।'

फाइनल पिच के टुकड़ों को बेचेगा फीफा

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गयाा है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

अमेरिका, मैक्सिको बाहर गिरी टिकटों की कीमत

ईस्ट रदरफोर्ड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा विश्व कप में कमाई करने का कोई मौका नहीं गंवा रही है और अब उसने उस पिच के टुकड़ों को बेचने का फैसला भी किया है, जहां इस टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपए) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गयाा है, ''फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।'

एवियन चैंपियनशिपः अदिति ने कट में बनाई जगह

एवियन-लेस-बैंस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने दूसरे दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के कट में जगह बनाई। लेडीज यूरोपियन टूर में पांच बार की विजेता अदिति का 36 होल के बाद कुल स्कोर दो अंडर है और वह संयुक्त 38वें स्थान पर हैं। अदिति अपना 38वां मेजर टूर्नामेंट खेल रही हैं, जो किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर के लिए एक बड़ा रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में नौ बार में से पांचवीं बार कट में जगह बनाने में सफल रही। उन्होंने दूसरे दौर में चार बर्डी लगाई और इस बीच तीन बोगी भी की।

तीरंदाजी : महिला टीम ने जीती चांदी

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रिथिका प्रदीप और चिकिथा तनीपार्थी की तिकड़ी ने विश्व कप के चौथे चरण की महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा के फाइनल में मजबूत कोलंबिया से 228-232 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस रजत पदक के साथ भारत ने सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में अपना खाता खोला। भारतीय दल को दिन में बाद में होने वाले मुकाबलों में पदकों की संख्या बढ़ाने की उम्मीद है। किशोर तीरंदाज प्रिथिका ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में भी जगह बना ली है और अब उन्हें दोहरा पदक जीतने के लिए केवल एक और जीत की जरूरत है।

प्रिथिका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

रिकर्व वर्ग में दो पदकों की दौड़ में भारत

भारत रिकर्व वर्ग में भी दो पदकों की दौड़ में बना हुआ है। एक अन्य किशोर तीरंदाज कीर्ति शर्मा भी दोहरा पदक जीतने की उम्मीद लगाए हुए हैं। कीर्ति शर्मा रिकर्व मिश्रित टीम के कांस्य पदक मुकाबले में भारत के नंबर एक तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा के साथ उतरेंगी। साथ ही कीर्ति महिला व्यक्तिगत स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं तो एक और जीत से उनका एक और पदक सुनिश्चित हो जाएगा। महिला कंपाउंड टीम रैंकिंग में दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय टीम ने अप्रैल में मैक्सिको के पुएब्ला में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि इस बार वह दुनिया की 14वें नंबर की कोलंबिया के सामने कोई खास चुनौती पेश नहीं कर सकी। कोलंबियाई टीम ने शानदार वापसी करते हुए पूरे दबदबे के साथ खिताब अपने नाम किया। सत्रह वर्षीय प्रिथिका ने छह बार 10 अंक का निशाना लगाया। हालांकि टीम की सबसे बड़ी निराशा अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम का खराब प्रदर्शन से हुई, जिन्होंने अपने आठ तीरों में केवल तीन बार 10 अंक हासिल किए।

इंग्लैंड ने भारत को 56 रन से हराया:सीरीज 4-0 से जीती

साउथैम्पटन। 1 इंग्लैंड ने पांचवें टी-20 में भारत को 56 रन से हराकर 5 मैचों की सीरीज 4-0 से अपने नाम कर ली। साउथैम्प्टन के रोज बाउल स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 257 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। भारत की ओर से ईशान किशन ने 35 गेंदों पर 56 रन बनाए। तिलक वर्मा ने 25 गेंदों पर 53 रन की तेज पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। संजू सैमसन ने 27, कप्तान श्रेयस अय्यर ने 28 और शिवम दुबे ने 14 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए सैम करन ने 3,

जबकि आदिल रशीद ने 2 विकेट झटके। इससे पहले जोस बटलर ने 64 गेंदों पर 131 रन की पारी खेली। कप्तान हैरी ब्रूक ने 45 गेंदों पर नाबाद 95 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 233 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह भारत के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। भारत की ओर से शिवम दुबे ने 2, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को एक विकेट मिला।15 साल के वैभव सूर्यवंशी इस मुकाबले में प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं थे। खराब फॉर्म के कारण उनकी जगह संजू सैमसन को मौका मिला। वैभव ने मौजूदा सीरीज के तीन मैचों में सिर्फ 42 रन (14, 13 और 15) बनाए थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भः- 1. ई-टेंडर नोटिस नं: एनआई.टी./14/26/23, तिथिः 09/06/2026
2. सीपीआर/10/204

क्र. सं.	निविदा संख्या	विवरण	निविदा बंद/खुलने का तिथि व समय	पढ़ा जाए	मात्रा
1	05265178	24/48 फाइबर अरमाउर्ड ओप्टिकल फाईबर केबल (ओएफसी केबल) एज पर लेटेस्ट आरडीएसओ स्पेशिफिकेशन नं. आरडीएसओ/ एसपीएन/ टीसी/ 110/ 2020 रेव.0	09.07.2026 समयः 10.30 बजे	20.07.2026 समयः 10.30 बजे	1067 किलो मीटर

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरुरी सूचना वेंडर **www.ireps.gov.in** पर देख सकते हैं।

सहायक सामग्री प्रबंधक-III
द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/285

विंबलडन देखने पहुंचे शुभमन, अल्काराज के खेल में ढूंढी बल्लेबाजी की झलक

एजेंसी ▶▶| लंदन

टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल का कहना है कि उन्हें टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज के खेल में अपनी बल्लेबाजी की झलक दिखाई देती है और उन्होंने स्पेनिश खिलाड़ी के 'ड्रॉप शॉट' की तुलना अपने खास 'शॉर्ट-आर्म' शॉट से की।

गिल विंबलडन के पुरुष एकल सेमीफाइनल मुकाबले देखने पहुंचे। इस अवसर पर उनके साथ दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर मौजूद रहे। उन्होंने महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर की प्रशंसा की। उन्होंने खेल के उन दिग्गजों के नाम बताए, जिन्हें वह अपने 'ड्रीम डिनर' में आमंत्रित करना चाहेंगे। आधुनिक टेनिस में अल्काराज का ड्रॉप शॉट सबसे प्रभावी रणनीतिक हथियारों में से एक माना जाता है जबकि गिल शॉर्ट-पिच गेंदों पर अक्सर 'शॉर्ट-आर्म' (पूरी बाजू के बजाय कोहनी को थोड़ा मोड़कर खेलना) शॉट खेलते हैं।

फेडरर को बताया अपना पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी

गिल ने कहा, 'मैं विंबलडन जीतने के लिए सिनर का समर्थन कर रहा हूं। वह शानदार खिलाड़ी हैं और कोर्ट के अंदर और बाहर खुद को बेहतरीन तरीके से पेश करते हैं।'

'ड्रीम डिनर' मेहमानों के बारे में की चर्चा

गिल ने कहा, 'अल्काराज का ड्रॉप शॉट मुझे क्रिकेट के 'शॉर्ट-आर्म जैब' की याद दिलाता है। मैं भी यह शॉट खेलता हूं और यह मेरा खास शॉट है। यह धोखा देने वाला और बेहद प्रभावी है।'उन्होंने अपने 'ड्रीम डिनर' मेहमानों के बारे में सेरेना विलियम्स, फेडरर, क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और वेस्टइंडीज के दिग्गज सर विवियन रिचर्ड्स का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'सेरेना विलियम्स, रोजर फेडरर और फिर क्रिकेटरों में सर विवियन रिचर्ड्स और सचिन सर। ये चार दिग्गज हैं, जिनके साथ मैं बैठकर डिनर करना चाहूंगा। '

शॉटगन विश्व कप : नीरु ने बनाया 'परफेक्ट' स्कोर, बनाई बढ़त

एजेंसी ▶▶| लोनाटो

भारत की नीरु ढांडा ने आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप की महिला ट्रैप प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत करते हुए क्वालीफाइंग के पहले तीन राउंड के बाद 'परफेक्ट' स्कोर हासिल कर बढ़त बना ली है। मौजूदा एशियाई और राष्ट्रीय चैंपियन 26 वर्षीय नीरु ने लगातार तीन राउंड में 25-25 का 'परफेक्ट' स्कोर बनाकर 75 अंक हासिल किए। अपने इस शानदार प्रदर्शन से वह 106 निशानेबाजों के बीच शीर्ष पर पहुंच गई हैं। उन्होंने अपनी करीबी प्रतिद्वंदी अमेरिका की राहेल टोज़ियर और स्लोवाकिया की जुज़ाना रेहाक स्टेफेसेकोवा पर दो अंक की बढ़त हासिल कर रखी है।

homefirst We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

परिशिष्ट-IV-A [नियम 8 (6) के परंतुक देखें]
अचल संपत्तियों की
बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के अधीन अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्द्वारा आम जनता और विशेष रूप से कॉलम (ii) में वर्णित ऋणधारक(ओं) और सह-ऋणधारक(ओं) को सूचित किया जाता है कि कॉलम (iii) में वर्णित नीचे वर्णित अचल संपत्तियां सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/बंधक हैं, जिनका भौतिक कब्जा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार देय राशि और ब्याज की वसूली के लिए ले लिया गया है, और चूंकि देय राशि का भुगतान करने में विफल रहने के परिणामस्वरूप, उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त संपत्ति/संपत्तियों की बिक्री द्वारा देय राशि की वसूली का प्रस्ताव करता है और इसे ' 'जैसा है जहां है' ', 'जैसा है वैसा ही' ' और ' 'जो कुछ भी है' ' के आधार पर बेचा जाएगा, जैसा कि वर्णित है। इसके अंतर्गत, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को कॉलम (i) के अनुसार उधारकर्ता (ओं) और सह-उधारकर्ता (ओं) से देय राशि की वसूली के लिए नीलामी ' 'ऑनलाइन' ' आयोजित की जाएगी।

क्र सं.	ऋणधारक(ओं) एवं सह-ऋणधारक(ओं) के नाम	संपत्ति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना राशि	कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि और समय	ईएमडी और दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि और समय	अधिकृत अधिकारी का नंबर
1.	विकास चतुर्वेदी वंदना शर्मा	प्लॉट-मौजा निरतु, ख.नं. 1704/3/क/2, प.ह.नं. 53, मौजा निरतु, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001, चौहद्दी: पूर्व-सड़क, पश्चिम-भोला श्रीवास की भूमि, उत्तर- विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण-विक्रेता की शेष भूमि।	06-05-2026	17,16,790	07-07-2026	1,00,000	10,000	11-08-2026 (11am-2pm)	09-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
2.	बाउचर कुरेसी, नेहा बाउचर कुरेसी	फ्लैट-मौजा कोटा, ख.नं.-957/1, प.ह.नं.-5, मौजा कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495006, चौहद्दी: पूर्व-सड़क, पश्चिम-विक्रेता की शेष भूमि, उत्तर-निखिल की भूमि, दक्षिण-राजेश की भूमि।	06-05-2026	8,31,437	07-07-2026	1,01,000	10,100	11-08-2026 (11am-2pm)	09-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
3.	संजय रजक, बिरस देवी रजक, कुश कुमार	मकान-मौजा अमेरी, ख.नं. 268/26, प.ह.नं. 43, मौजा अमेरी, तहसील सकरी जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-देवेंद्र का प्लॉट, उत्तर-लक्ष्मी देवांगन की भूमि, दक्षिण-संदीप का प्लॉट।	05-03-2026	24,55,272	06-05-2026	3,50,000	35,000	11-08-2026 (11am-2pm)	09-08-2026 (upto 5pm)	9730775533
4.	रितेश कुमार यादव, राजेश यादव	प्लॉट-ख.नं. 214/2, मौजा रामगढ़, प.ह.नं. 17/30, तहसील मुंगेली, जिला मुंगेली, मुंगेली, छत्तीसगढ़-495334 चौहद्दी: पूर्व - विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम - नारायणलाल का प्लॉट, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट। दक्षिण -निस्तारी रास्ता।	06-05-2025	13,13,897	07-07-2025	2,89,000	28,900	11-08-2026 (11am-2pm)	09-08-2026 (upto 5pm)	9730775533

ई-नीलामी सेवा प्रदाता:	ई-ऑक्शन वेबसाइट/जानकारी और अन्य शर्तों के लिए:	ईएमडी / अन्य राशि जमा करने हेतु खाता नंबर	शाखा आईएफएससी कोड:	लाभार्थी का नाम
कंपनी का नाम: ई- प्रोक्यूरमेंट टेक्नालॉजीस लिमि. (ऑक्शन टाईगर) हेल्पलाइन नंबर: 079-35022160/149/182 संपर्क व्यक्ति: राम शर्मा - 8000023297 ईमेल आईडी: ramprasad@auctiontiger.net और support@auctiontiger.net	http://www.homefirstindia.com https://homefirst.auctiontiger.net	911020005835824- होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड एक्सिस बैंक लिमिटेड बैंगलौर केटी	UTIB0000009	अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फायनेंस कम्पनी इंडिया लिमिटेड

बोली वृद्धि राशि 10,000/- रुपये है। यह बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेब पोर्टल (https://homefirst.auctiontiger.net) पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी। ऑनलाइन ई-नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणापत्र और ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम एवं शर्तें युक्त ई-नीलामी निविदा दस्तावेज पोर्टल साइट पर उपलब्ध हैं। अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, संपत्तियों पर कोई भार नहीं है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले, संपत्ति पर भार, नीलामी के लिए रखी गई संपत्ति/संपत्तियों के स्वामित्व और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/देयताओं के संबंध में स्वयं स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिए। ई-नीलामी विज्ञापन होम फर्स्ट की ओर से कोई प्रतिबद्धता या प्रतिनिधित्व नहीं है और न ही इसे ऐसा माना जाएगा। संपत्ति होम फर्स्ट को ज्ञात या अज्ञात सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेची जा रही है। अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित लेनदार किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों/अधिकारों/देयताओं के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे। यह बिक्री प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी। **किसी भी विसंगति की स्थिति में, सूचना का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा।**

सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत वैधानिक 30 दिन की बिक्री सूचना

ऋणधारक/जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि वे मांग नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान, अद्यतन ब्याज और अन्य संबंधित खर्चों सहित, ई-नीलामी की तिथि से पहले कर दें। ऐसा न करने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री कर दी जाएगी और यदि कोई बकाया राशि हो तो उसे ब्याज और लागत सहित वसूल किया जाएगा।
दिनांक: 12-07-2026 स्थान: बिलासपुर   हस्ताक्षरकर्ता /- अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

शरीर की नसों को अगर जोड़ दें तो दो बार लगा सकती हैं पृथ्वी का चक्कर

मानव शरीर अविश्वसनीय है, जो एक साथ अनगिनत कार्य करता है। हालांकि, अभी भी शरीर के कई ऐसे कार्य हैं, जिनसे ज्यादातर लोग वाकिफ नहीं हैं। आज हम आपको मानव शरीर के बारे में कुछ ऐसे अजीब तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपको हैरान कर देंगी।

नसें खून को अंगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़े नेटवर्क की तरह काम करती हैं। अगर एक इंसान के शरीर की नसों को एक साथ जोड़ा जाए तो वे पृथ्वी का 2 बार से ज्यादा चक्कर लगा सकती हैं। इन नसों को जोड़ने पर इनकी लंबाई लगभग 60,000 से एक लाख मील हो सकती है, जबकि पृथ्वी का घेरा लगभग 24,900 मील लंबा है।

शरीर हर सेकंड बनाता है 2.5 करोड़ नई कोशिकाएं

सभी जानते हैं कि शरीर लगातार कोशिका विभाजन के जरिए नई कोशिकाएं बनाता रहता है। हमारा शरीर हर सेकंड 25 मिलियन यानि 2.5 करोड़ नई कोशिकाओं का निर्माण करता है। इनमें से ज्यादातर रक्त कोशिकाएं होती हैं। शरीर रोजाना अरबों पुरानी कोशिकाओं को नई कोशिकाओं से बदलकर अपने सभी कार्यों को सुचारू रूप से चलाता है।

सुबह उठने पर हम होते हैं लंबे

क्या आप मान सकते हैं कि आप सुबह बाकि दिन की तुलना में लंबे होते हैं? सुनने में अजीब लगता है, लेकिन यह सच है। जब हम सुबह सो कर उठते हैं तो हम रात की तुलना में लगभग एक सेंटीमीटर लंबे होते हैं। आराम की स्थिति में रीढ़ की हड्डी को फैलने का मौका मिलता है, जो दिनभर गुरुत्वाकर्षण की वजह से दबी हुई रहती है। यही कारण है कि सुबह खड़े होने पर हम लंबे लगते हैं।

मरने के बाद हमें खाना शुरू कर देते हैं हमारी आंत के बैक्टीरिया

हमारी आंत में हजारों बैक्टीरिया रहते हैं, जो खाने को पचाने का काम करते हैं। हालांकि, मरने के बाद जब इन बैक्टीरिया को भोजन नहीं मिलना तो ये हमें ही शिकार बना लेते हैं। मरने के महज 4 मिनट के अंदर ही आंत के बैक्टीरिया शरीर को अंदर से खाना शुरू कर देते हैं। इस प्रक्रिया को पुत्रेफैक्शन यानि सड़न कहा जाता है। ये बैक्टीरिया पहले ऊतकों को खाते हैं और धीरे-धीरे बड़े अंगों तक जाने लगते हैं।

कुछ भी छूना है मना, नहीं चलता भारत का कानून

हिमाचल प्रदेश की वादियों में एक छोटा-सा गांव बसा हुआ है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। हम बात कर रहे हैं मलाणा की, जो कुल्लू जिले का एक रहस्यमयी गांव है। यहां आने वाले यात्रियों को कुछ भी छूने की इजाजत नहीं दी जाती है और यहां भारत का कानून भी नहीं चलता है। जी हां, यह दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक है।

हिमाचल प्रदेश में आम तौर पर हिंदी, कांगड़ी, कुल्लूई, मंडेली और सिरमौरी जैसी भाषाएं बोली जाती हैं। हालांकि, मलाणा के लोग एक ऐसी भाषा में बात करते हैं, जो उनके अलावा कोई नहीं समझ सकता। इसको 'कनाशी' कहते हैं, जिसमें ग्रीक भाषा के कुछ शब्द इस्तेमाल होते हैं। वैसे तो यहां के लोग परिषद के फैसले मानते हैं, लेकिन अब बदलाव आ रहे हैं।

गांव की चीजों और लोगों को छूने की है मनाही

जहां पूरे भारत में 'अतिथि देवो भव' की प्रथा चलती है, वहीं मलाणा के लोग अतिथियों से दूरी बनाना पसंद करते हैं। यहां आपको जगह-जगह पर साइन बोर्ड मिल जाएंगे, जिन पर साफ लिखा होता है कि 'कुछ भी छूना मना है'। आप गांव के घरों, दुकानों और मंदिरों के साथ-साथ यहां के लोगों को भी हाथ नहीं लगा सकते। सामान आदि खरीदते समय पैसे भी स्थानीय लोगों के हाथों के बजाय जमीन पर रखने होते हैं।

कौन बनाता है इस गांव के कानून?

जैसा कि हमने पहले बताया, मलाणा के लोग भारत का कानून नहीं मानते हैं। इस गांव में उनका खुद का कानून चलता है, जिसे बड़े-बूढ़ों की एक परिषद तय करती है। परिषद में कुल 11 लोग होते हैं, जो उनके पौराणिक देवता जमलू ऋषि के आदेशों का पालन करते हैं। गांव के हर एक सदस्य को इन बुजुर्गों के फैसले सिर-आखों पर रखने होते हैं और वे पत्थर की लकीर होते हैं।

क्या है इस अजीब कानून का कारण?

मलाणा में जो यात्री किसी घर या व्यक्ति को छूने की गलती कर बैठता है, उसे 1500 रुपये से अधिक का जुर्माना भरना पड़ता है। इसका कारण साफ-सफाई बनाए रखना नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही जाति प्रथा है। मलाणा के लोग खुद को सिकंदर महान के वंशज मानते हैं और बाहरी लोगों को अपवित्र समझते हैं। यात्रियों से जो जुर्माना लिया जाता है, उससे जानवर खरीदा जाता है और शुद्धिकरण के नाम पर उसकी बली दी जाती है।

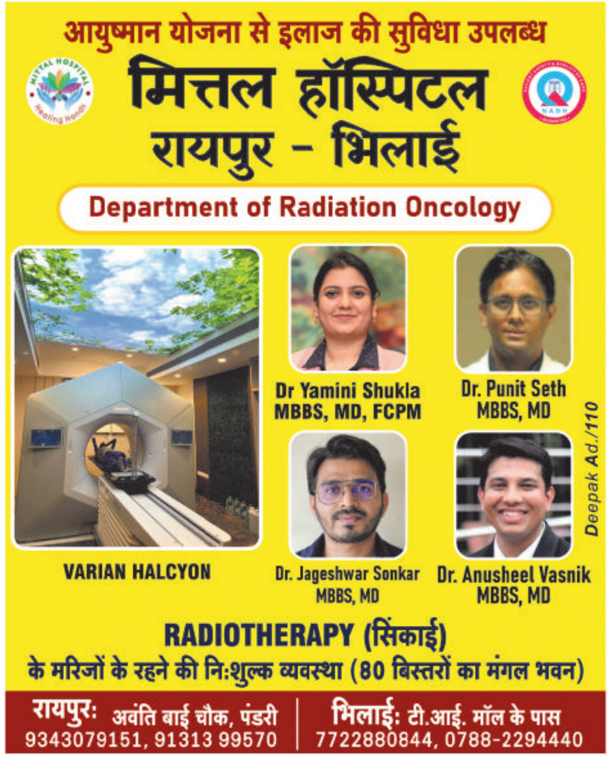

दुनिया में सबसे छोटे कद के लोग रहते हैं इन देशों में

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में कुछ ऐसे देश हैं जो अपनी जनसंख्या के कम औसत कद के लिए जाने जाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि दुनिया के सबसे छोटे कद के लोग किन देशों में रहते हैं। भारत सबसे कम कद वाले देशों की सूची में शामिल नहीं है। अरबों की आबादी वाले इस देश में पुरुषों की औसत ऊंचाई 5 फीट 6 इंच है, जबकि महिलाओं की औसत ऊंचाई 5 फीट 4 इंच है। भारत में लोगों की औसत ऊंचाई मध्यम है।

तिमोर-लेस्ते : तिमोर-लेस्ते दुनिया में सबसे कम औसत ऊंचाई वाले लोगों का देश है। दक्षिण-पूर्वी एशिया में तिमोर द्वीप के पूर्वी भाग में स्थित यह देश छोटे कद के लोगों का देश है। यहां पुरुषों की औसत ऊंचाई लगभग 160 सेंटीमीटर (5 फीट 3 इंच) है, जबकि महिलाओं की औसत ऊंचाई 153 सेंटीमीटर (5 फीट) है। कम कद का मुख्य कारण पोषण की कमी और आनुवंशिक कारण हैं।

लाओस : दक्षिणपूर्व एशिया का एक और देश लाओस दुनिया में दूसरे सबसे कम कद वाले लोगों का देश है। यहां पुरुषों की लंबाई लगभग 163 सेंटीमीटर (5 फीट 4 इंच) और महिलाओं की लंबाई 153 सेंटीमीटर (5 फीट) है।

सोलोमन और पापुआ न्यू गिनी द्वीप समूह : प्रशांत महासागर में स्थित मेलनेशियन देश सोलोमन द्वीप समूह में पुरुषों की औसत ऊंचाई 163 सेंटीमीटर (5 फीट 4 इंच) है, जबकि महिलाओं की औसत ऊंचाई 157 सेंटीमीटर (5 फीट 2 इंच) है। इसी तरह पापुआ न्यू गिनी में पुरुषों की औसत ऊंचाई 163 सेंटीमीटर और महिलाओं की 157 सेंटीमीटर है।

मोजाम्बिक : दक्षिण-पूर्वी अफ्रीका में मोजाम्बिक में पुरुषों की औसत ऊंचाई लगभग 164 सेंटीमीटर (5 फीट 5 इंच) और महिलाओं की 155 सेंटीमीटर (5 फीट 1 इंच) है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com